● वर्ष-3
● अंक-127
रायपुर, शुक्रवार
05 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› आपकी ये 5 गलत आदतें ....

छग विस का बजट सत्र 5 फरवरी से 1 मार्च तक

होगी 20 बैठकें, अधिसूचना जारी

साय सरकार अपना पहला पूर्ण बजट पेश करेगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र की अधिसूचना जारी कर दी गई है। बजट सत्र की शुरुआत 05 फरवरी को होगी जो 01 मार्च तक चलेगी। इस दौरान सदन की 20 बैठकें होंगीं। सत्र के दौरान प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार अपना पहला पूर्ण बजट पेश करेगी। वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट इस बार फरवरी के अंतिम सप्ताह या मार्च के पहले सप्ताह में पेश हो सकता है। वित्त विभाग इसकी तैयारी में जुट गया है। विभागों के बजट पर सचिव स्तर की चर्चा 8 और 9 जनवरी को होगी। इसके बाद मंत्री स्तर की चर्चा होगी। वित्त विभाग का प्रयास इस महीने के अंत तक बजट को फाइनल कर लेने का है। बजट जल्द पेश किए जाने की संभावना लोकसभा चुनाव को देखते हुए व्यक्त की जा रही है। बता दें कि इस वर्ष अप्रैल-मई में लोकसभा का चुनाव होना है। चुनाव कार्यकमों की घोषणा मार्च में हो सकती है। अफसरों के अनुसार इस बार चुनाव समय से पहले कराए जाने की संभावना दिख रही है। ऐसे में चुनाव कार्यक्रम फरवरी के अंतिम सप्ताह में जारी किया जा सकता है। इसी वजह से राज्य के बजट को लेकर थोड़ी जल्दबाजी की जा रही है। चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा के बाद बजट पेश करना सरकार के लिए कठिन हो जाएगा।

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने राज्य योजना आयोग की अहम भूमिका

प्रभावी योजनाओं और इनके क्रियान्वयन से छग को बनाएंगे अग्रणी राज्य : साय

लक्ष्यों को प्राप्ति के लिए सभी विभागों की प्रगति की नियमित होनी चाहिए समीक्षाः चौधरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पर्याप्त संसाधन हैं और इसके प्रभावी उपयोग के लिए कुशल मानवसंसाधन भी है। राज्य योजना आयोग इनके उपयोग के माध्यम से छत्तीसगढ़ में तेज और संतुलित विकास के लिए प्रभावी योजनाएं तैयार कर रहा है। एसडीजी प्रोग्रेस के माध्यम से जिलों में विकास के लिए निर्धारित लक्ष्यों के बारे में सतत समीक्षा की जा रही है। इसकी समीक्षा करते हुए प्रभावी योजनाओं तथा इनके क्रियान्वयन के माध्यम से हम छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाएंगे। यह बात राज्य योजना आयोग के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य योजना आयोग के कार्यों की समीक्षा के लिए की गई बैठक तथा एसडीजी(सतत विकास लक्ष्य) डिस्ट्रिक्ट प्रोग्रेस रिपोर्ट 2022 के विमोचन के अवसर पर कही। रिपोर्ट में धमतरी, बालोद और रायपुर जिले अग्रणी रहे। मुख्यमंत्री ने इन्हें बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ वन संपदा और खनिज से भरपूर राज्य है। वनोपजों का वैल्यू एडिशन करना है। खनिज संसाधनों के माध्यम से रोजगार के अधिकतम मौके पैदा करना है। सरगुजा और बस्तर जैसे

क्षेत्रों के विकास के लिए विशेष प्रयास करने हैं। वनोपजों में वैल्यू एडीशन किये जाने से इनके संग्राहकों के लिए आय के बेहतर अवसर पैदा होते हैं। मत्स्यपालन जैसे क्षेत्रों में अधिक कार्य किये जाने की आवश्यकता है ताकि कृषि के साथ इस तरह की गतिविधियों में भी जोड़कर किसानों की आय बढ़ाई जा सके।

इस अवसर पर योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु राज्य योजना आयोग द्वारा शोध एवं अध्ययन कार्य तथा नवाचार को प्रोत्साहन देने जैसा कार्य किया गया है। आयोग द्वारा तैयार की गई प्रोग्रेस रिपोर्ट इस संबंध में वर्षवार गोल आधारित एवं जिला आधारित विश्लेषण करती है। श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई गारंटी का इन लक्ष्यों से प्रत्यक्ष संबंध है।

सभी विभागों को प्रगति की नियमित समीक्षा करनी चाहिए ताकि लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने प्रधानमंत्री जी की वर्ष 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना तथा देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डालर तक पहुंचाने की परिकल्पना को साकार करने में छत्तीसगढ़ राज्य का रोडमैप तैयार करने की बात कही। श्री चौधरी ने राज्य के राजस्व को बढ़ाने के उपाय, विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं में अधिकाधिक राशि प्राप्ति, विभिन्न स्त्रोतो से वित्त पोषण की संभावना हेतु विचार मंथन साथ ही जिलो में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने एसडीजी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले जिलो को पुरस्कार दिये जाने का भी सुझाव दिया।

एसडीजी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्रेस रिपोर्ट, 2022 छग की मुख्य विशेषता- फ्रंट रनर श्रेणी में 10 से बढ़कर 18 जिले - वर्ष 2021 की स्थिति में 10 जिले - फ्रंट रनर (धमतरी, राजनांदगांव, बालोद, महासमुंद, दुर्ग, बिलासपुर, गरियाबंद, रायपुर, बेमेतरा व सरगुजा) तथा शेष जिले- परफोर्मर श्रेणी प्राप्त किये थे। जिला धमतरी ने सर्वाधिक अंक 72 प्राप्त कर प्रथम रैंक हासिल की थी। वर्ष 2022 की स्थिति में 18 जिले - फ्रंट रनर (धमतरी, बालोद, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, कांकेर, रायगढ़, महासमुंद, मुंगेली, गरियाबंद, बेमेतरा, सरगुजा, कोरिया, कबीरधाम, कोरबा, सूरजपुर एवं बलौदा बाजार) तथा शेष जिले- परफार्मर श्रेणी प्राप्त किये हैं। फिर से जिला धमतरी 77 अंक प्राप्त कर प्रथम रैंक हासिल की है।

राज्य 'परफोर्मर' की श्रेणी से 'फ्रंट रनर' की श्रेणी में- जिलो के वर्ष 2022 के प्रदर्शन के आधार पर छत्तीसगढ़ का कम्पोजिट स्कोर 68 है। जबकि वर्ष 2021 में 64 था। इस प्रकार छत्तीसगढ़ 'परफोर्मर' की श्रेणी से 'फ्रंट रनर' की श्रेणी में आ गया है।

एसडीजी गोल जिसमें उल्लेखनीय प्रदर्शन रहा है- एसडीजी गोल -4 (गुणवत्ता परक शिक्षा), 6 (स्वच्छ जल एवं स्वच्छता), 7 (सतत् एवं उपयुक्त ऊर्जा), 10 (असमानता में कमी), 11 (समावेशी शहर एवं समुदाय), 12 (उपभोग एवं उत्पादन प्रणाली), 13(जलवायु परिवर्तन) में राज्य का प्रदर्शन उल्लेखनीय है।

16 इंडीकेटर ऐसे जिन्हें 2022 में ही प्राप्त कर लिया गया- राज्य स्तर पर 82 इंडिकेटर में से 16 ऐसे इंडिकेटर हैं, जिसका 2030 का लक्ष्य वर्ष 2022 में ही प्राप्त कर लिया गया है। वर्ष 2021 में इसकी संख्या 14 थी। साथ ही वर्ष 2022 के आधार पर 20 ऐसे इंडिकेटर है, जिनमें थोड़े से प्रयास से वर्ष 2030 का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

रायपुर। देश के 28 राज्यों के बीच कड़ी प्रतियोगिता के बाद छत्तीसगढ़ की झांकी बस्तर की आदिम जनसंसद-मुरिया दरबार को इस साल नई दिल्ली में होने वाली गणतंत्र-दिवस परेड के लिए चयनित कर लिया गया है। नई-दिल्ली स्थित कर्तव्यपथ पर होने वाली परेड के लिए 28 में से 16 राज्यों का चयन किया गया है।

चीन ने भी मोदी सरकार की नीतियों का माना लोहा

नई दिल्ली। दुनिया में भारत का रूतबा काफी बढ़ गया है. इस बात को चीन सरकार के सबसे चर्चित अख़बार ग्लोबल टाइम्स ने भी मान लिया है. ग्लोबल टाइम्स में छपी खबरें और लेख चीन की सरकार की सोच के तौर पर जाना जाता हैं.

बीते कुछ साल में ग्लोबल टाइम्स आम तौर पर भारत विरोधी लेखों और संपादकीय के लिए चर्चा में रहा है. लेकिन इसी अखबार में 2 जनवरी को छपे एक लेख ने इस बार तमाम मोर्चों पर भारत की तरक्की की बात पर मुहर लगा दी है.

भारत ने बड़ी कामयाबियां हासिल की

चीन के फुडन विश्वविद्यालय के दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र के डायरेक्टर झांग जियाडोंग के इस लेख में कहा गया है कि भारत ने आर्थिक विकास की दिशा में बड़ी कामयाबियां हासिल की हैं और उसकी अर्थव्यवस्था अब उस राह पर है, जहां वो दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है. 'What I feel about the Bharat narrative in India', नाम से अपने इस लेख में जियाडोंग ने कहा कि हाल में उन्होंने दो बार भारत की यात्रा की. इस दौरान भारत के प्रतिनिधियों से बातचीत में उन्हें महसूस हुआ कि चीन के विद्वानों के प्रति उनका रुख अब काफी उदार हो गया है.

जियाडोंग लिखते हैं कि अपने दौरे में मैंने पाया कि भारत की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्थितियां चार साल पहले की तुलना में काफ़ी बदल गई हैं. भारत ने आर्थिक विकास और सामाजिक शासन यानी सामाजिक शासन के क्षेत्र में कामयाबी हासिल की है. भारत की अर्थव्यवस्था ने रफ्तार हासिल कर ली है और वो सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है. तेज आर्थिक और सामाजिक विकास के साथ भारत सामरिक तौर पर ज्यादा आत्मविश्वास से भरा है और एक भारत नैरेटिव तैयार करने यानी भारत की कहानी तैयार करने की ओर सक्रिय है.

ग्लोबल टाइम्स के इस लेख में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में भारत के बड़ी होती हैसियत का जिक्र किया गया है.

प्रमुख समाचार

देश में भाजपा के लिए स्थिति अनुकूल नहीं है- शरद पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले देश में राजनीतिक स्थिति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए अनुकूल नहीं है। उन्होंने भाजपा के 400 से अधिक सीट जीतने संबंधी दावे को खारिज करते हुए कहा कि वह कई राज्यों में सत्ता से बाहर है। पश्चिमी महाराष्ट्र में अहमदनगर जिले के शिरडी में आयोजित पार्टी के एक सम्मेलन में राकांपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 में केंद्र में सत्ता संभालने के बाद, भाजपा ने कई कार्यक्रमों की घोषणा की और कई आश्वासन दिए, लेकिन उन्हें लागू नहीं किया और लोगों को ''धोखा'' दिया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोगों को अब इसका एहसास होने लगा है। पवार की पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर गठित विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) में शामिल है। पवार ने कहा, ''देश में स्थिति भाजपा के लिए अनुकूल नहीं हैं।'' राज्यसभा सदस्य ने कहा कि भाजपा नेताओं ने कुल 543 में से 400 से अधिक लोकसभा सीट जीतने का लक्ष्य रखा है, लेकिन पार्टी वर्तमान में कई राज्यों में सत्ता में नहीं है।

साउथ अफ्रीका की सरजमीं पर भारत की फतेह, सीरीज बराबर

केपटाउन। भारत ने साउथ अफ्रीका को केपटाउन में खेले गए दूसरे टेस्ट में 7 विकेट से मात दी है। इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया है। दूसरा टेस्ट मैच स्रिफ पांच सेशन तक ही चला। मेजबान टीम ने भारत को जीत के लिए 79 रनों का लक्ष्य दिया। जिसे भारत ने तीन विकेट गंवाकर 12 ओवर में ही हासिल कर लिया है। केपटाउन टेस्ट काफी लो स्कोरिंग रहा और गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिला। 5 दिन के टेस्ट मैच में दोनों ही टीमें मिलकर भी दो दिन तक बल्लेबाजी नहीं कर सकी। ऐसा काफी कम देखने को मिलता है कि टेस्ट मैच का नतीजा दो दिन में ही निकल जाए। इस मैच में भारतीय टीम की जीत के हीरो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज रहे। बुमराह ने इस मैच में 8 विकेट और सिराज ने 7 विकेट अपने नाम किए।

क्या तेजस्वी हज भवन को अस्पताल बना देंगे-गिरिराज

नई दिल्ली। एक ओर जहां योगी आदित्यनाथ सरकार के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार 22 जनवरी के भव्य अभिषेक समारोह को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है, वहीं विपक्ष ने इसे भाजपा का कार्यक्रम करार दिया है। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी बिहार में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर कोई घायल हो जाता है, तो डॉक्टर से सलाह ली जाएगी, पुजारी से नहीं। तेजस्वी यादव ने कहा कि उनकी लड़ाई नरेंद्र मोदी से नहीं बल्कि असली मुद्दों से है। उन्होंने कहा कि भूख लगेगी तो मंदिर जाओगे? खाना मिलेगा? वहां उल्टा दान मांग लेंगे। तेजस्वी यादव के बयान पर गिरिराज सिंह ने पलटवार किया है। तेजस्वी यादव के बयान को उन्होंने हिंदुओं के बारे में अपमान बताया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उनका रूटिंग हो गया है। अयोध्या में जब राम भक्तों पर गोली चली थी तो लालू प्रसाद यादव ने मुलायम सिंह का समर्थन किया था। अब जब संवैधानिक तौर पर राम मंदिर बनकर तैयार हो रहा है तो इन लोगों की आंखों में वह चुभ रहा है।

राकांपा विधायक के भगवान राम संबंधी बयान पर विवाद

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)- शरद पवार गुट के विधायक जितेंद्र अव्हाड के इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है कि भगवान राम मांसाहारी थे और पशुओं का शिकार करते थे। अव्हाड के इस बयान के बाद भाजपा के विधायक और अजित पवार के नेतृत्व वाले राकांपा के विरोधी गुट ने उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की है। अव्हाड ने कहा कि उन्होंने मामले का अध्ययन किए बिना कुछ नहीं कहा था, फिर भी अगर उन्होंने किसी की भावनाएं आहत की हैं, तो वह ''खेद'' जताते हैं। पश्चिम महाराष्ट्र केअहमदनगर जिले के शिरडी में बुधवार को पार्टी के एक कार्यक्रम में अव्हाड ने कहा था कि भगवान राम बहुजनों से संबंध रखते हैं। महाराष्ट्र में 'बहुजन' शब्द का उपयोग पारंपरिक तौर पर हिंदू समाज के गैर-ब्राह्मण वर्गों, विशेष रूप से निचले तबकों के लिए किया जाता है। राकांपा विधायक ने कहा था, वह (भगवान राम) शिकार करके खाया करते थे। वह हमारे, बहुजनों के थे। आप (भाजपा) हमें शाकाहारी बना रहे हो, (लेकिन) हम राम के उदाहरण को मान रहे हैं और मटन खा रहे हैं। अव्हाड ने कहा, राम शाकाहारी नहीं थे, वह मांसाहारी थे। 14 वर्ष वनवास में रहने वाले व्यक्ति को शाकाहारी भोजन कहां मिलता होगा?''

हिज्बुल का वांछित जावेद अहमद मट्टू दिल्ली में पकड़ा गया

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में हिज्बुल मुजाहिदीन का वांटेड आतंकी जावेद अहमद मट्टू गुरुवार को दिल्ली में पकड़ा गया। उन्हें दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया था। माटेओ पर जम्मू-कश्मीर में कई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप है और वह सुरक्षा एजेंसियों की सूची में घाटी के शीर्ष 10 लक्ष्यों में से एक था। उसके सिर पर 5 लाख रुपये का इनाम था। मट्टू सोपोर का रहने वाला है और कई बार पाकिस्तान जा चुका है। पिछले साल स्वतंत्रता दिवस से पहले, एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें मट्टू के भाई को सोपोर में अपने घर पर तिरंगा फहराते हुए दिखाया गया था। दिल्ली के विशेष पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने कहा कि जावेद मट्टू हिज्बुल मुजाहिदीन से है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही थी और उसके बारे में जानकारी विकसित की गई थी। आज उसे निज़ामुद्दीन फ्लाईओवर के पास इलाके से गिरफ्तार किया गया। एक पिस्तौल और मैगजीन मिली है। उसके पास से जब्त कर लिया गया। पुलिस को यह भी बताया गया कि मट्टू का पाकिस्तान स्थित हैंडलर हथियारों और गोला-बारूद की डिलीवरी का समन्वय करेगा और वह जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों को अंजाम देगा।

दुनियाभर में चुनाव और भारत के लिए संकेत

राजेश बादल

नया साल संसार की आधी से अधिक आबादी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। लगभग सत्तर देशों में इस बरस निर्णायक निर्वाचन होंगे। इसके बाद नई सरकारें या संसदें अपनी विदेश नीति का नया चेहरा प्रस्तुत करने पर मजबूर होंगी। वर्तमान परिस्थितियों में लगभग प्रत्येक देश अपनी विदेश नीति की धुरी बदलने के लिए बाध्य है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति के मद्देनजर नई विदेश नीतियों का रूप समूचे विश्व को प्रभावित करेगा। इन नीतियों में सैद्धांतिक और नैतिक आधार नदारद सा होगा।

अलबत्ता आर्थिक आधार प्रधान होगा। आम चुनावों के बाद भारत के लिए अपनी नीतियों की समीक्षा भी आवश्यक हो जाएगी, क्योंकि जिन देशों में चुनाव होंगे, उनमें एशिया के भी कई देश शामिल हैं।भारत में इस साल लोकसभा चुनाव होने हैं। इसके अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान और रूस जैसे पड़ोसी देशों में भी निर्वाचन संपन्न होंगे। इन राष्ट्रों के आपसी संबंधों में यह साल बदलाव का संकेत दे रहा है। इसके अलावा भारतीय नजरिये से देखें तो ब्रिटेन, रूस और अमेरिका के चुनाव भी खास हैं, जिनसे भारतीय हितों पर असर पड़ता है।

हालांकि पाकिस्तान में तो चुनाव के बाद भी भारत के साथ संबंधों में कोई खास सुधार की संभावना नहीं है क्योंकि वहां चुनाव तो फौज के दिल बहलाने का खिलौना मात्र है। सरकार उसी दल की बनेगी, जिसे सेना चाहेगी और जो सरकार बनेगी, उसे फौजी अधिकारियों के इशारे पर नाचना पड़ेगा। इतना तो पक्के तौर पर कहा जा सकता है कि इस बार वहां सत्ता किसी भी पार्टी को मिले, अवाम का कोई खास भला नहीं होने वाला है। वहां का ताजा घटनाक्रम इस मायने में दिलचस्प है।

जिस इमरान खान को पिछले चुनाव में सेना ने बड़े उत्साह से प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बिठाया था, आज वे जेल में हैं। आरोप है कि पद पर रहते हुए उन्हें जो उपहार मिले, उन्हें सरकारी खजाने से उन्होंने नियमानुसार खरीद लिया। बाद में उन उपहारों को महंगे दामों पर बेच दिया। जाहिर सी बात है कि जब कोई इंसान एक वस्तु खरीद लेता है तो उसका वह मालिक हो जाता है। बाद में वह चाहे तो ज्यादा दाम लेकर बेच सकता है।

सस्ते में खरीदने के बाद अवसर मिलते ही ऊंची कीमत पर बेचना कोई अपराध नहीं है लेकिन सेना की भृकुटि तनी थी इसलिए इमरान तीन साल के लिए जेल में हैं और पांच साल के लिए चुनाव के अयोग्य ठहराए गए हैं। निर्णय को इमरान ने चुनौती दी है। चूंकि फैसला नहीं आया है, इसलिए तब तक तो वे चुनाव लड़ने के अधिकारी हैं पर विडंबना यह कि उन्होंने दो निर्वाचन क्षेत्रों से नामांकन भरा तो चुनाव आयोग ने नैतिक आधार पर निरस्त कर दिया।

विश्व में नैतिक आधार पर चुनाव नामांकन पत्र खारिज करने की संभवतया यह पहली घटना है. दूसरी तरफ जो पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ फौज के चहेते होने के कारण सत्ता में आए थे, फौज के तेवर बदलते ही सींखचों के भीतर पहुंचा दिए गए। यही नहीं, उन्हें जिंदगी भर चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया।

क्या ही दिलचस्प नजारा है कि चुनाव के लिए अयोग्य ठहराए जाने के बाद चुनाव आयोग ने उनका नामांकन दो स्थानों से स्वीकार कर लिया, क्योंकि अब सेना उन पर मेहरबान है। जो सेना पूर्व प्रधानमंत्री भुट्टो को सरेआम फांसी पर लटका दे और उसका कवरेज करने के लिए दुनिया भर के पत्रकारों को आमंत्रित करे तो उसकी जम्हूरियत का ऊपर वाला ही मालिक है।

इस प्रसंग का मकसद यह स्थापित करना है कि चुनाव के बाद भी पाकिस्तान और हिंदुस्तान के बीच रिश्ते सामान्य होने की कोई उम्मीद नहीं की जा सकती और अब तक के आम चुनाव यह निष्कर्ष निकलने के लिए काफी हैं कि पाकिस्तान लोकतंत्र के दृष्टिकोण से शापित मुल्क है।

दूसरा प्रमुख चुनाव अमेरिका का है। उसके नतीजे यकीनन भारत को विदेश नीति पर पुनर्विचार करने के लिए बाध्य करेंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार और वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन और रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प आमने-सामने हो सकते हैं। ट्रम्प के कार्यकाल में भारतीय विदेश नीति का पलड़ा अमेरिका की ओर झुका हुआ था। इससे किरकिरी हुई, जब बाइडेन सत्ता में आए। उनका पूरा कार्यकाल बेरुखी भरा रहा। भारतीय कश्मीर नीति के वे स्थाई आलोचक हैं। उनके साथ भारतीय मूल की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी ऐसी ही आलोचक रही हैं। पर, इन दिनों जो बाइडेन के साथ उनका सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। यदि डोनाल्ड ट्रम्प जो बाइडेन को अगली बार सत्ता में आने से रोकते हैं तो भारत के लिए चुनौती होगी कि वह संबंधों में संतुलन किस तरह बनाए रखेगा।

पाकिस्तान इन दिनों अमेरिका की प्राथमिकता सूची में है। बाइडेन भारत के मुकाबले पाकिस्तान को तरजीह दे रहे हैं। वैसे तो यूरोप के अनेक देशों में चुनाव होने हैं, मगर मैं ब्रिटेन के चुनाव का जिक्र करना चाहूंगा। वहां कंजर्वेटिव पार्टी चौदह साल से सरकार चला रही है. भारतीय मूल के ऋषि सुनक ने जब प्रधानमंत्री पद संभाला तो आर्थिक चुनौतियां विकराल आकार में थीं। उनमें कोई बहुत चमत्कारिक सफलता तो नहीं मिली है।

लेकिन सुनक का भारत प्रेम वहां के मतदाताओं को रास नहीं आ रहा है इसलिए नाकामियों के अलावा ऋषि का भारतीय रिश्ता भी उनकी पार्टी की कामयाबी को कठिन बना रहा है। ऐसे में लेबर पार्टी के सत्ता में आने की प्रबल संभावना है। यदि ऐसा हुआ तो संभवतः लेबर पार्टी भारत को लेकर बहुत सहज नहीं रहेगी। यूं भी हिंदुस्तान के आकाश पर ब्रिटेन को लेकर अतीत के प्रेत हमेशा मंडराते रहते हैं। आने वाले दिनों में ब्रिटेन और भारत के संबंध कठिन दौर से गुजरेंगे, इसमें दो राय नहीं है।

भाजपा विधायक योगेश्वर राजू ने लगाया जनता दरबार, लोगों की सुनी समस्या

महासमुन्द। प्रदेश सहित महासमुंद में भी सत्ता परिवर्तन के बाद अब महासमुंद के नवनिर्वाचित भाजपा के विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने नई पहल की शुरुआत की है। वह जनता से सीधे रुबरु होने के लिए रोजाना भेंट-मुलाकात व जनदर्शन आयोजित कर रहे हैं। अपने विधायक कार्यालय में नवनिर्वाचित विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा सुबह 10 बजे से दोपहर 01 बजे तक जनदर्शन के माध्यम से लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्या व मांगों को न केवल सुन रहे हैं बल्कि अपने विधानसभा क्षेत्र की जनता के भरोसे पर खरा उतरने व उनकी समस्याओं का निराकरण भी कर रहे हैं।

इसी कड़ी में आज विधायक को समस्या व मांग से संबंधित 50 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें आवास की मांग, सड़क निर्माण की मांग, कोडार डेम से रबी फसल के लिए सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराने की मांग, मकान के जल जाने पर आर्थिक मुआवजा दिलाने की मांग, अवैध शराब पर प्रतिबंध लगाने की मांग, मुक्तिधाम बनवाने की मांग, बच्चों की शिक्षा के लिए हाई स्कूल बनाने की मांग, आंगनबाड़ी में गर्म भोजन की व्यवस्था कराने की मांग सहित कई शिकायतें भी शामिल है।

इन शिकायतों और मांग में प्रमुख रूप से ग्राम कापा के सचिव के खिलाफ अनियमितता की शिकायत की गई है। ग्राम पंचायत भाव में ग्रामवासियों ने मुक्तिधाम बनवाने की मांग की है। ग्राम पंचायत चिंगरौद से बरोंडाबाजार तक सड़क निर्माण की मांग ग्रामवासियों के द्वारा की गई है। ग्राम बरोंडाबाजार में बच्चों की शिक्षा के लिए हाई स्कूल निर्माण की मांग की गई है। ग्राम पंचायत बम्हनी के ग्राम वासियों ने गांव में अवैध शराब बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इसी तरह से ग्राम कोसमनाला में स्टॉप डेम निर्माण की मांग के साथ साथ रबी फसल के लिए कोडार से पानी छोड़ने की मांग की गई है। इसी तरह से ग्राम परसाडीह के ग्रामीणों ने भी नहर लाइन के माध्यम से कोडार से पानी रबी फसल के लिए छोड़ने की मांग की है। ग्राम पंचायत परसदा(ब) के भारत यादव ने मकान में आग लग जाने पर क्षतिपूर्ति के तहत मुआवजा दिलाने की मांग की गई है। ग्राम पंचायत बिरकोनी के स्कूल के प्राचार्य के खिलाफ लगातार अनुपस्थित रहने की शिकायत भी प्राप्त हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा ग्राम भोरिंग को नगर पंचायत का दर्जा देने की घोषणा के विरोध में, ग्राम भोरिंग के ग्रामवासियों ने ग्राम पंचायत भोरिंग को नगर पंचायत नहीं बनाने की मांग विधायक राजू सिन्हा से की है। इसी तरह से वार्ड क्रमांक 12 महासमुंद में आंगनबाड़ी में गर्म भोजन की व्यवस्था कराने की मांग वार्डवासियों के द्वारा की गई है।

इस अवसर पर महासमुंद के नवनिर्वाचित विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि, जनता के मांग और शिकायतों को त्वरित निराकरण करना ही हमारी पहली प्राथमिकता है। महासमुंद विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। क्षेत्र की जनता की तकलीफ हमारी तकलीफ है। उनकी समस्या हमारी समस्या और उनकी मांग हमारी मांग है।

डाटा एंट्री आपरेटरों की मांग पूरी नही होने पर 8 जनवरी से हड़ताल का दिया अल्टीमेटम

जगदलपुर। लोकसभा चुनाव से पूर्व प्रदेश के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी/अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में पदस्थ नियमित डाटा एंट्री आपरेटर आंदोलन की तैयारी में हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय कम्प्यूटर, डाटा एंट्री आपरेटर कर्मचारी एसोसिएशन के द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी गई है। भर्ती के वर्षों बाद भी सेवा भर्ती नियम एवं सेवा शर्तें नहीं बनाए जाने से डाटा एंट्री आपरेटर नाराज हैं। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने पत्र में कहा है कि 7 जनवरी तक मांग पूरी न होने की स्थिति में वे 8 जनवरी से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय रायपुर में प्रदर्शन करेंगे और अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

एसोसिएशन के प्रांतीय संयोजक दिलीप चौरसिया ने बताया कि भर्ती नियम बनाना विभाग का महत्वपूर्ण दायित्व है। किसी भी विभाग में भर्ती से पहले स्वीकृति ली जाती है, जो कि वित्त विभाग द्वारा जारी किया जाता है। विभागाध्यक्ष भर्तियों से पहले नियम बनाते हैं कि कितनी भर्तियां होंगी, कौन से पद होंगे और पदोन्नति होगी। पद का पदोन्नति चेनल समयमान का निर्धारण किया जाता है। जब भर्ती नियम ही नहीं बनाया तो डाटा एंट्री आपरेटरों की भर्ती किस आधार पर दी गई।

एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष तिरिथराम ने कहा कि चुनाव के दौरान आपरेटर मतदाताओं का नाम जोडऩा, काटना और संशोधित तो करते ही हैं। इसके अलावा बीएलओ को ट्रेनिंग देना, सभी फार्मों का निराकरण, शिकायतों का निराकरण तथा कंट्रोल

टेबल मैनेजमेंट का कार्य भी करते हैं। वर्तमान में लोक सभा चुनाव की तैयारियां प्रारंभ हो चुकी है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा चुका है। इसमें मतदाताओं से दावा-आपत्ति, नाम जोडऩे, संशोधन आदि कार्य किया जाएगा। लोक सभा चुनाव तैयारियों के बीच निर्वाचन कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से निर्वाचन कार्य प्रभावित होगा।

उल्लेखनिय है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 309 के तहत सेवा भर्ती नियम एवं सेवा शर्तें तथा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) के तहत पदोन्नत चैनल निर्मित करने एवं अन्य सुसंगत संवैधानिक लाभ के लिए तिरिथ राम, गोवर्धन चेलक, देव प्रकाश साहू, सौरभ पांडेय, राजकुमारी ध्रुव, धनंजय देवांगन, मुकेश सिंह ठाकुर, आकाश शर्मा, परमेश्वर चक्रधारी एवं राजू कुमार जायसवाल के द्वारा उच्च न्यायालय बिलासपुर में रिट याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, सचिव छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी (निर्वाचन) कार्य विभाग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छग. रायपुर को 4 सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया है।

67वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा स्पर्धा में शामिल हुए रमन सिंह

राजनांदगांव। राजनांदगांव में 67वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन चार से सात जनवरी तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता के शुभारम्भ के अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष रमन सिंह ने शिरकत करते हुए खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। इस प्रतियोगिता में देश की 30 राज्यों की टीमें हिस्सा ले रही हैं और खिलाड़ी अपने खेल का जौहर दिखा रहे हैं।

स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया नई दिल्ली द्वारा संचालित एवं स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित 67वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन राजनांदगांव में चार से सात जनवरी तक किया जा रहा है। इस दौरान रमन सिंह ने कहा कि शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन नेशनल बास्केटबॉल का आयोजन है, स्कूल के बच्चे बालिकाएं भी हिस्सा ले रही हैं निश्चित रूप से कल के भारत के भविष्य हैं। आज स्कूल में खेल रहे हैं कल नेशनल टीम में खेलेंगे प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं पीएससी घोटाले के मामले को लेकर उन्होंने कहा कि सब घोटालों की जांच होगी और जो दोषी होगा उन पर कार्रवाई होगी।

राजनांदगांव शहर के स्टेट स्कूल मैदान में आयोजित इस राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों एवं संस्थाओं की 30 टीमों के 684 प्रतिभागी अपने उत्कृष्ठ खेल का प्रदर्शन करेगें, प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन शहर के स्टेट हाई स्कूल मैदान में किया गया जहां खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्च पास्ट किया। राजनांदगांव की मेजबानी में खेली जा रही 67वीं राष्ट्रीय शालेय कीड़ा प्रतियोगिता में बॉस्केटबॉल बालक 14 वर्ष एवं बालिका 17 वर्ष के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का जौहर दिखाएंगे।

नक्सली मुठभेड़ में वीरता का परिचय देने वाले जवान नवीन का प्रमोशन

जगदलपुर। जिला नारायणपुर क्षेत्र के तहत संचालित नक्सल विरोधी अभियान में अदम्य साहस एवं वीरता का परिचय देने वाले जवान नवीन उर्फ कमलू नुरेटी को क्रम से पूर्व पदोन्नति का आदेश पूर्व में पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा जारी किया गया था, जिसके परिपालन में आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा (भापुसे.) अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निखील राखेचा (भापुसे.) द्वारा नवीन उर्फ कमलू नुरेटी को लाल फित्ती लगाकर आरक्षक से प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है।

ज्ञात हो कि वर्ष 2018 में गुमियाबेड़ा क्षेत्र में पुलिस बल द्वारा नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस नक्सल मुठभेड़ में पांच नक्सलियों को मार गिराया गया था। इस घटना में आरक्षक कमलू नुरेटी को क्रम से पूर्व पदोन्नत किया गया है। नवीन उर्फ कमलू नुरेटी मूलत: गाड़ावाही (कोहकामेटा) का निवासी है जो वर्ष 2000 से नक्सल संगठन में शामिल हुआ एवं कोहकामेटा एवं करेलघाटी एलओएस में सक्रिय सदस्य तथा नेलनार एलओएस कमाण्डर एवं जनताना सरकार अध्यक्ष, नेलनार एरिया कमेटी का सचिव एवं माड़ डिवीजन में डीव्हीसी मेम्बर के रूप में कार्य किया था। छ.ग. शासन की आत्मसमर्पण पुर्नवास नीति से प्रभावित होकर एवं नक्सलियों के स्थानीय आदिवासियों के साथ भेदभाव एवं खोखली विचारधारा से तंग आकर नवीन उर्फ कमलू नुरेटी के द्वारा वर्ष 2013 में नारायणपुर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। आत्मसमर्पण पश्चात छ.ग. शासन की पुर्नवास नीति के तहत् जिसे शासकीय योजनाओं का लाभ एवं आरक्षक के पद पर शासकीय नौकरी दिया गया था।

नक्सली बैनर-पर्चा के साथ एक नक्सली सदस्य गिरफ्तार

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत थाना कुटरू पुलिस के द्वारा तेलीपेंटा मार्ग पर एमसीपी की कार्यवाही के दौरान प्रतिबंधित नक्सली संगठन के प्रचार-प्रसार की सामग्री नक्सली बैनर एवं पर्चा के साथ एक नक्सली मिलिशिया सदस्य दशरू पोडियाम पिता मोगडू पोडियाम निवासी नेडवायापारा गुटटामंगी थाना कुटरू एवं एक विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नक्सली मिलिशिया सदस्य के विरूद्ध थाना कुटरू में कार्यवाही उपरान्त गुरूवार को न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय बीजापुर के समक्ष पेश किया गया, तथा विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड को सौंपा गया।

स्टांप शुल्क की चोरी कर जमीन की रजिस्ट्री

■ **अधिकारी दे रहे गोलमोल जवाब, एसडीएम ने दिए जांच के आदेश**

सारंगढ़-बिलाईगढ़। सरायपाली क्षेत्र में दिसंबर माह में स्टांप शुल्क की चोरी कर जमीन की रजिस्ट्री कराने का मामला सामने आया है। मामला उजागर होने के पर विभाग के अधिकारी गोलमोल जवाब देकर बचना चाह रहे। वहीं एसडीएम से शिकायत के बाद मामले को लेकर अधिकारियों में खलबली मची हुई है।

दरअसल सरायपाली क्षेत्र में जमीन मालिक ने अपनी दो एकड़ जमीन बेच दी थी। जब उसने अपनी जमीन की रजिस्ट्री कराई गई तो उसमें उस जमीन पर साजा, भीरहा, साल, महुआ, तेंदु सहित विभिन्न पेड़ों के कोई भी पेड़ नहीं होने की जानकारी दी गई। रजिस्ट्री करने से पहले रजिस्ट्रार ने संबंधित क्षेत्र के पटवारी से मौके का सत्यापन कराया। लेकिन सत्यापन की रिपोर्ट में मौके पर कोई पेड़ नहीं दिखाए गए। यदि रजिस्ट्री करने के लिए मौके पर पेड़ दिखाए जाते तो प्रति पेड़ करीब पाच हजार रुपये के हिसाब से स्टांप शुल्क जमा करना पड़ता। जो की पेड़ छिपाने से स्टाप शुल्क नहीं दिया गया। सूत्रों की मानें तो मौके पर कई दर्जन पेड़ मौजूद है। एसडीएम कार्यालय के संज्ञान में भी कुछ लोगों ने यह मामला लाया है। भूमि से वृक्षों को छुपाते हुए जिस तरिके से रजिस्ट्री कराई गई और इससे सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया गया है। इस मामले में एसडीएम ने कहा कि इसकी जांच कराई जाएगी और पंजीयक से इस संबंध में जवाब लिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

जशपुर में नहीं थम रहा जंगली हाथियों का आतंक

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में जंगली हाथियों का उत्पात बढ़ता ही जा रहा है। जहां लगातार जंगली हाथियों द्वारा लोगों पर हमले की घटना सामने आ रही है। बुधवार देर शाम बगीचा वन परिक्षेत्र में मुख्य सड़क पर हाथी ने एक राहगीर महिला को मौत के घाट उतार दिया, इस दौरान ट्राइसिकल पर सवार दिव्यांग सहित दो लोगों बाल-बाल बचे। इस घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे वन अमले के रेंजर अशोक सिंह ने बताया कि मृतक महिला का शव बरामद कर उसे उसके परीजनों को सौंप दिया गया है। वहीं प्रत्यक्ष दर्शी दिव्यांग मनमोहन कोरवा ने बताया कि वह अपनी भाभी जयंती कोरवा के साथ मैनी से सामरबार जा रहे थे तभी अचानक एक हाथी आया और उसने जयंती (उम्र 45 साल) जो मेरी ट्राइसिकल को धक्का देते हुए जा रही थी, को खींचकर अपने सूंड में उठा लिया और पटक दिया जिससे मौके पर मौत ही गई। वहीं मनमोहन के एक दूसरे साथी रामबिहारी कोरवा ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई।

जल जीवन मिशन काम अधूरा 3 ठेकेदारों का अनुबंध निरस्त

जशपुर। जल जीवन मिशन के कार्यों को पूर नहीं करने पर बगीचा, कांसाबेल और फरसाबहार के तीन ठेकेदारों का अनुबंध निरस्त कर दिया गया है। जिला कलेक्टर की इस कार्यवाही से हड़कंप मच गया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड जशपुर से मिली जानकारी के अनुसार जल जीवन मिशन अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 और 2022-23 में आबंटित कार्य को प्रारंभ और पूर्ण नहीं करने के लिए संबंधित ठेकेदारों को बार-बार सूचित करने के बाद भी काम पूरा नहीं करने पर जल जीवन मिशन की 19 दिसम्बर 2023 को बैठक ली गई। इसके बाद 3 ठेकेदारों का अनुबंध निरस्त कर दिया गया है। इनमें बगीचा विकाखखण्ड के ठेकेदार मेसर्स अंजनी कुमार सिंह की ओर से 3 साल से कार्य प्रांरभ नहीं किया गया है। इसी प्रकार फरसाबहार के ठेकेदार मेसर्स उदय कंस्ट्रक्शन की ओर से 2 साल से कार्य प्रारंभ नहीं किया गया और कांसाबेल के ठेकेदार मेसर्स एजाइल वर्क्स प्रा।लि। की ओर से भी 1 साल 1 महीने से कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है।

नेहरू नगर फ्लाईओवर की फॉल सीलिंग हुई धराशाई

भिलाई। नेहरू नगर फ्लाईओवर के सौंदर्यीकरण को ग्रहण लग गया जब फ्लाईओवर के नीचे की फॉल सीलिंग भराभरा कर गिर गया। यहां लाखों खर्च कर फ्लाईओवर के नीचे फॉल सीलिंग व अन्य सौंदर्यीकरण के कार्य किए गए जिस समय पूरा स्ट्रक्चर गिरा उस समय किसी के नहीं होने से कोई हताहत नहीं हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह लगभग 7 से 7:30 बजे के बीच नेहरू नगर फ्लाईओवर के नीचे बनी फॉलसीलिंग गिर गई। अलग अलग पार्ट में बनाए गए ती स्ट्रक्चर गिर गए। नेशनल हाइवे होने के कारण सड़क पर आवाजाही काफी अधिक रहती है, लेकिन सुबह का समय होने के बाद ट्रैफिक थोड़ा कम था। जिस समय गिरा उस समय कुछ वाहन चालक सिग्नल मौजूद थे लेकिन स्ट्रक्चर को गिरता देख वहां से हट गए। हादसे के समय यदि मौके पर ट्रैफिक अधिक होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। बताया जा रहा है कि फ्लाईओवर की फॉलसीलिंग का काम निगम द्वारा निजी क्षेत्र के सहयोग से कराया गया था। कमजोर स्ट्रक्चर के कारण इसके गिरने की बात कही जा रही है।

पदोन्नति में आरक्षण देने के लिए सुको के आदेश की अवहेलना

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ के प्रदेश प्रतिनिधि मंडल ने सीएम विष्णुदेव साय और कवर्धा विधायक डिप्टी सीएम विजय शर्मा से अलग - अलग समय में मुलाकात कर विभिन्न विषयों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। कबीरधाम जिला अध्यक्ष आसकरण सिंह धुर्वे ने बताया कि पदोन्नति में आरक्षण देने सुप्रीम कोर्ट के आदेश होने के बाद भी बीते कई वर्षों से आरक्षित वर्ग के बैकलाग के हजारों पदों को भरा जा रहा। स्थिति ऐसी हो गई कि भविष्य में आरक्षित वर्ग के शासकीय सेवकों को पदोन्नति का लाभ नही मिल पाएगा। परिणाम यह होगा कि अपने मूल पद से ये सेवानिवृत होंगे। साथ ही पद रिक्त नहीं होने से आरक्षित वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों को प्रतिनिधित्व का अवसर नहीं मिल पाएगा। ऐसे नियम विरुद्ध पदोन्नति देने वाले विभागाध्यक्षों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। संघ ने बैकलाग, स्थानीय भर्ती, रोस्टर पालन, ढाई लाख की आय सीमा, फर्जी जाति प्रमाण पत्रधारियों के खिलाफ कार्रवाई समेत अन्य मांग किया।

रूपये दोगुना करने के नाम पर 70 लोगों से धोखाधड़ी

जगदलपुर। बस्तर पुलिस के द्वारा वर्ष 2021 से लगातार फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है, इन आरोपियों के द्वारा 70 के लगभग लोगों को पैसा डबल करने के नाम पर पैसा लेने की बात कही थी, जिसके बाद लोगों का पैसा नहीं मिलने पर मामला दर्ज कराया गया था, गबन के मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को बडी सफलता मिली है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि प्रार्थी वेकेंटेश्वर राव निवासी महारानी वार्ड जगदलपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि सात अगस्त 2021 को जोगेन्द्र यादव उर्फ जूगनू पिता स्व. मयाराम यादव एवं उसकी पत्नि अरूणा यादव व भाई उत्तम यादव निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी लालबाग के द्वारा शहर के विभिन्न शासकीय एवं गैर शासकीय, व्यापारियों से डेली कलेक्शन, मासिक कलेक्शन कर वार्षिक भुगतान में दुगुना रकम देना बताकर 70 लोगों से कुल 3,03,12,808 रूपये सभी से जमा करवाये और अभी तक रूपये वापस नहीं किया गया है।

एमसीबी से पकड़े गए मवेशियों के तस्कर

मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जनकपुर थाना इलाके से दो पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्कर लंबे वक्त से पशुओं की तस्करी के काम से जुड़े थे। पुलिस ने पकड़े गए दोनों तस्करों के पास से 24 मवेशियों क जब्त किया है। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए दोनों तस्कर मवेशियों को बूचड़खाने ले जा रहे थे। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में पकड़े गए दोनों तस्कर कई बड़े खुलासे भी कर सकते हैं।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तस्करी के काम से जुड़े लोग जनकपुर एरिया में एक्टिव हैं। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद इलाके में घेराबंद की। पुलिस की घेराबंदी में फंसे दोनों तस्कर पुलिस को झांसा देकर भागने की फिराक में थे। पुलिस की नाकेबंदी को तोड़कर तस्कर भाग पाते उससे पहले पुलिस ने उनको दबोच लिया। पुलिस ने जब गाड़ी की तलाशी ली तो उनकी गाड़ी से 24 मवेशी मिले। मवेशियों को जबरन गाड़ी में ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। चोरी छिपे ये तस्कर जनकपुर एरिया से होते हुए मविशियों को दूसरे राज्य में ले जाने की कोशिश कर रहे थे।

पकड़े गए तस्करों ने बताया कि वो मवेशियों की खरीद बिक्री का काम करते हैं। पुलिस ने शक के आधार पर खरीद बिक्री की रशीद मांगी। पुलिस के सामने दोनों तस्कर खरीद बिक्री की रशीद पेश नहीं कर पाए। पुलिस ने थोड़ी सख्ती दिखाई तो शुरुआती जांच में पुलिस का मामला संदेहपूर्ण लगा। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड में भेज दिया है। पुलिस चाहती है कि पूछताछ के लिए उनको मौका मिले तो पूरे मामले को वो जल्द सुलझा लेंगे।

गैंगस्टर तपन सरकार की किसी भी समय हो सकती है गिरफ्तारी!

भिलाई। महादेव महार हत्याकांड का आरोपी और गैंगस्टर तपन सरकार को पकड़ने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। गैंगस्टर को पकड़ने के लिए पुलिस अलग अलग टीम के साथ साइबर सेल की भी मदद ले रही है। यानी भिलाई पुलिस तपन सरकार को अब किसी भी हाल में छोड़ने के मूड़ में नहीं है। तपन सरकार के अलावा उसके ग्रुप के लोगों पर भी पुलिस की पैनी नजर है।

2023 के विधानसभा चुनाव में तपन सरकार भिलाई-दुर्ग में घूमते भी देखा गया था। तपन के केस पार्टनरों की भी पुलिस तलाश में जुट गई है। खुर्सीपार में मार्च 2023 में हुए शुभम राजपूत हत्याकांड में गैंगस्टर तपन सरकार का हाथ होने की जानकारी पुलिस को मिलने के बाद उसके सिकोला भाठा के मकान में दबिश दी गई थी। जहां पुलिस ने मकान को खंगाला लेकिन पुलिस को सफलता नहीं मिल पाई। मृतक शुभम, तपन सरकार के लिए वसूली का काम करता था। पुलिस को गैंगस्टर तपन की जानकारी मिलने के बाद हरकत में आते हुए उसकी गिरफ्तारी को लेकर टीम जुटी हुई है। गैंगस्टर तपन सरकार के केस पार्टनर भी अब पुलिस के रडार में आ गए है। पुलिस उनकी लिस्ट तैयार कर रही है।

अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, ओडिशा के रास्ते हो रही थी धान की तस्करी

■ **महाराष्ट्र के दो आरोपी गिरफ्तार, छत्तीसगढ़ में खपाने की थी तैयारी**

बसना। ओडिशा से छत्तीसगढ़ में अवैध धान परिवहन करते पुलिस ने महाराष्ट्र के दो लोगों को पकड़ा है। साथ ही दोनों के पास से करीब 4 लाख रुपये का 174 क्विंटल धान जब्त किया गया है। परिवहन में प्रयुक्त वाहन को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

दरअसल, आज पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा से बसना की ओर पलसापाली बेरियर होते हुए छत्तीसगढ़ की ओर एक वाहन आ रहा है। इस पर पुलिस टीम ने पलसापाली बेरियर ग्राम पलसापाली में चेकिंग के दौरान वाहन क्रमांक एमएच 04 बीजी 9953 को रोकर वाहन के ड्राइवर और उनके साथी से नाम पता पूछा। इस पर दोनों ने अपना नाम 46 वर्षीय किशोर गोरले और 36 वर्षीय नीलेश पाटील दोनों महाराष्ट्र के रहने वाले बताए।

वाहन को चेक करने पर कंटेनर के अंदर 380 बोरी में भरी हुई धान प्रत्येक बोरी में करीब 46-46 किलो करीबन कुल 174 क्विंटल धान मिला। समर्थन मूल्य में इस धान की कीमती 3,79,842 रुपये बताई जा रही है। दोनों ने धान परिवहन करने संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखाया। इसके बाद पुलिस ने परिवहन में प्रयुक्त कंटेनर वाहन क्रमांक एमएच 04 बीजी 9953 कीमती 20,00,000 रुपये और 3,79,842 रुपये का धान कुल कीमती 23,79,842 रुपये को जब्त कर लिया। साथ ही दोनों शख्स को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

भव्य तरीके से होगा राजिम कुंभ मेला का आयोजन: बृजमोहन

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने की कई बड़ी घोषणाएं, 9वीं के छात्रों को मिलेगी सायकल, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फ्री कोचिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार पांच साल बाद फिर से सत्ता पर काबिज हुई है। वहीं मंत्रियों के विभाग का बंटवारा भी हो गया है। इस बीच मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के विभागों की 6 घंटे तक मैराथन बैठक चली। जिसमें कई बड़े फैसले लिए गए हैं। प्रदेश में 9वीं के सभी वर्ग के बालक-बालिकाओं को अब नि:शुल्क सायकल मिलेगा। 12वीं तक के प्रत्येक विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक देने की तैयारी के मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने निर्देश दिए हैं। साथ ही सीए, सीएस, बैंकिंग, रेलवे समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के फ्री कोचिंग की व्यवस्था होगी। छत्तीसगढ़ में बनेगा शिमला मनाली के तर्ज पर मॉल रोड बनाया जाएगा। इसके साथ ही अन्य घोषणाएं भी की गई है।

अग्रवाल ने सिरपुर को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल कराने के लिए जरूरी प्रयास करने और राजिम कुंभ मेला की तैयारी के संबंध में जानकारी लेकर इसके आयोजन को भव्य बनाने की व्यवस्था के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल ने राजिम मंदिर के चारों ओर परिक्रमा पथ बनाने की बात कही है। उन्होंने अधिकारियों को राज्य के मेला महोत्सव को बढ़ावा देने के निर्देश भी जारी किए हैं, ताकि मेला को पर्यटन की तर्ज पर बढ़ावा मिल सके।

उन्होंने पर्यटन के प्रचार-प्रसार और विकास को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा कि हम छत्तीसगढ़ में मैनपाट जैसे हिल स्टेशन वाले शहरों में शिमला, मनाली के तर्ज पर मॉलरोड बनाएंगे। सरगुजा के रामगढ़ और

चैतुरगढ़ जैसे स्थानों का विकास हिल स्टेशन के रूप में करेंगे ताकि यहां राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को लुभा सके। अग्रवाल ने पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राज्य के सभी पर्यटन स्थलों एवं मेले महोत्सवों के विकास पर विशेष ध्यान दें।

सिरपुर को वर्ल्ड हेरिटेज साइट पर शामिल कराने की तैयारी

बृजमोहन अग्रवाल ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हम प्रदेश में पर्यटन को उद्योग का दर्जा देकर व्यवसायों को बढ़ावा देंगे और रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम 'छत्तीसगढ़ राज्य मार्केटिंग सेल' की स्थापना कर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन में राज्य की छवि को बेहतर कर राज्य की पर्यटन क्षमता को बढ़ाने का काम करेंगे।

उन्होंने घोषणा पत्र में शामिल 'प्रदेशवासियों को रामलला दर्शन' कराने के लिए अधिकारियों को निश्चित कार्ययोजना बनाने के लिए आईआरसीटीसी एवं बस ट्रांसपोर्ट्स, होटल मैनेजमेंट आदि की तैयारी करने और राम वन गमन परिपथ योजना के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए हैं।

भर्ती प्रक्रिया में कोताही बर्दाश्त नहीं

बृजमोहन अग्रवाल ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में बेहतर शिक्षा प्रदान करना हमारा मकसद है। हमारी सरकार किसी भी योजना को लेकर पूर्वाग्रह से कार्य नहीं करेगी। व्यवस्था पहले से बेहतर और स्थाई हो ताकि विद्यार्थियों का भविष्य उज्वल हो, इसी सोच के साथ हम आगे बढ़ेंगे। मंत्री अग्रवाल ने विभागों की भर्ती एवं नियुक्ति प्रक्रिया पारदर्शी रखने के संबंध में सख्त हिदायत दी और कहा किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, यदि ऐसा हुआ तो दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई होगी। शिक्षा विभाग में पिछली भर्ती में बचे हुए चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग की प्रक्रिया को भी जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

9वीं कक्षा में सभी वर्ग के विद्यार्थियों को मिलेगी नि:शुल्क सायकल

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए मंत्री अग्रवाल ने कहा कि अब 9वीं के सभी वर्ग के बालक-बालिकाओं को उच्च गुणवत्ता के सायकल नि:शुल्क वितरित किए जाएंगे तथा स्कूलों में एयर-पम्प की व्यवस्था भी की जाएगी। श्री अग्रवाल ने अधिकारियों को 12वीं तक के प्रत्येक विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा के साथ-साथ नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक भी देने की तैयारी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल के निर्माण और मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न हो, सभी निर्माण कार्य समय-सीमा में पूरे हों। इस बैठक में मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना के तहत अनुसूचित जाति जनजाति के मेधावी छात्रों नियमित कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में मेरिट स्थान पर प्रोत्साहन राशि 15 हजार रूपए से बढ़ा कर 25 हजार रूपए करने का निर्णय भी लिया गया।

मेरिट के आधार पर शिक्षकों की होगी पोस्टिंग

मंत्री अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अब राज्य में सीए, सीएस, बैंकिंग, रेलवे के साथ-साथ सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की गुणवत्ता पूर्ण नि:शुल्क कोचिंग की व्यवस्था होगी। हम सैनिक स्कूल को बढ़ावा देंगे जिससे शिक्षा एवं रोजगार में विस्तार हो सके। शिक्षा मंत्री अग्रवाल ने अधिकारियों को ये भी निर्देश दिया कि नई नियुक्तियों में ध्यान दे कि शिक्षकों की पोस्टिंग मेरिट के आधार पर आस-पास के जिले में ही हो, जिससे वे पूरी दक्षता के साथ शासकीय दायित्वों का निर्वहन कर सकें। साथ ही हर महीने सभी अधिकारी-कर्मचारियों का वेतन निश्चित अवधि में प्राप्त हो।

उच्च शिक्षा विभाग के समीक्षा बैठक लेते हुए मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने अधिकारियों को कार्यों में तीव्रता लाने के स्पष्ट निर्देश दिए और कहा कि किसी भी फाइल को अधिकारी अपने पास 7 दिन से अधिक न रोकें, ऐसा होने पर उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। मंत्री अग्रवाल ने रिक्त पदों के लिए भी 7 दिवसों के भीतर भर्ती नियम बनाने और विभागों को जल्द सेटअप रिवीजन करने के निर्देश भी दिए हैं ताकि पदोन्नति, भर्ती, नियुक्ति, ट्रांसफर और सेटअप सब निर्धारित समय-सीमा के भीतर हो जाए।

बृजमोहन अग्रवाल ने उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को विश्वविद्यालयों के ग्रैडिंग सुधारने, रिक्त पदों को भरने, कॉमर्स और विज्ञान संकाय को बढ़ावा देने की भी बात कही। साथ ही महाविद्यालयों में बीएससी पाठ्यक्रम में कृषि विज्ञान को सम्मिलित करने की तैयारी के निर्देश दिए। कॉलेजों में सामान्य शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक, नैतिक व आध्यात्मिक शिक्षा को भी बढ़ावा देने पर जोर दिए। अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएसआर के तहत कॉलेजों के लिए फंड जुटाएं और बेहतर व्यवस्था देने का प्रयास करें। धन के अभाव में जो विद्यार्थी कॉलेज नहीं आ पाते हैं उन्हें सरकार बस का किराया या पास उपलब्ध कराने की तैयारी के भी अधिकारियों को निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम के नये आयुक्त मिश्रा ने सम्हाला पदभार

रायपुर। राज्य सरकार ने कल देर रात बड़े पैमाने पर प्रशासनिक अधिकारियों का तबादला किया। तबादला के बाद नगर निगम के नव नियुक्त आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने गुरुवार की सुबह नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर अपर आयुक्त अभिषेक अग्रवाल और उपायुक्त कृष्णा खटीक भी उपस्थित थे।

महादेवघाट खारून तट पर बॉलीबाल स्पर्धा आज से

रायपुर। मास्टर्स गेम्स संगठन छत्तीसगढ़ एवं श्री हटकेश्वर नाथ बॉलीबाल संघ आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय मास्टर्स एवं ओपन महिला तथा पुरुष वॉलीबॉल प्रतियोगिता कल से प्रारंभ हो रही है। यह प्रतियोगिता खारून नदी के तट पर खेली जाएगी। इस प्रतियोगिता में 40 वर्ष से अधिक उम्र दराज खिलाड़ी वाली टीमें शिरकत करेंगी जिनमें ओडिशा के बलांगीर, मॉर्निंग क्लब रायपुर, एनएमडीसी किरंदुल, दल्लीराजहरा, कोरबा, गरियाबंद, धमतरी, कवर्धा और श्री हटकेश्वर ए तथा श्री हटकेश्वर बी टीम शामिल है। प्रतियोगिता की विजेता तथा उपविजेता टीमों को पुरुस्कार के रुप में 21 हजार एवं शील्ड तथा द्वितीय पुरस्कार 11 हजार एवं शील्ड प्रदान किया जाएगा। ओपन पुरुष प्रतियोगिता में सांई पंजाब, सांई रायपुर, छत्तीसगढ़ पुलिस, रायगढ़, कवर्धा, भिलाई, राजनांदगांव और श्री हटकेश्वर नाथ टीम हिस्सा लेंगी। ओपन महिला प्रतियोगिता में कोलकाता, सांई रायपुर, भिलाई, शांति नगर भिलाई, खमरिया तथा श्री हटकेश्वर नाथ टीम भाग लेंगी। महिला ओपन प्रतियोगिता की विजेता टीम को 11 हजार रुपए व शील्ड तथा उपविजेता टीम को 7 हजार रुपए एवं शील्ड पुरस्कार के रूप में दिया जाएगा।

मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने बालिका गृह, नारी निकेतन और सखी सेंटर का किया निरीक्षण

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने आज राजधानी स्थित शासकीय बालिका गृह, नारी निकेतन और सखी सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बालिकाओं और महिलाओं को हर जगह सुरक्षा का अहसास होना चाहिए, इसके लिए उचित वातावरण और आवश्यक व्यवस्था होनी चाहिए। श्रीमती रजवाड़े ने बालिकागृह की बच्चियों से बात कर उनकी दिनचर्या, पढ़ाई और अन्य विषयों पर चर्चा की। उन्होंने बालिकाओं द्वारा तैयार किए गए सजावटी सामानों को देखा और उनका हौसला बढ़ाया। श्रीमती रजवाड़े ने नारी निकेतन और सखी सेंटर पहुंचकर भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और महिलाओं की हर संभव मदद के लिए कहा।

दिल्ली पुलिस और सीएपीएफ भर्ती परीक्षा 8 जनवरी को, रायपुर में भी एग्जाम सेंटर

रायपुर। दिल्ली पुलिस और सीएपीएफ में सब-इंस्पेक्टर की भर्ती के लिए परीक्षा 8 जनवरी को होगी। इसके लिए अलग-अलग स्टेट में परीक्षा केंद्र बना लिया गया है। इस परीक्षा के लिए रायपुर शहर के सरोना स्थित आयन डिजिटल जोन आईडीजेड, पार्थवी प्रोविंस कमर्शियल काम्पलेक्स, संत रविदास वार्ड-70 को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। दिल्ली पुलिस और सीएपीएफ में सब-इंस्पेक्टर की की परीक्षा 8 जनवरी को इस केंद्र पर सुबह 9 से 11 बजे तक परीक्षा होगी। कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा लेगा। इस परीक्षा के सफल संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर उत्तम प्रसाद रजक को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री ने किया पदभार ग्रहण

रायपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन और खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने गुरुवार को महानदी भवन मंत्रालय में पदभार ग्रहण कर लिया। श्री वर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ पदभार संभाला। इस दौरान उनके परिवारजन भी मौजूद रहे।

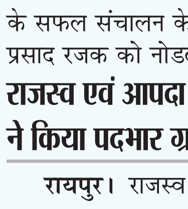

विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर, रायपुर ननि जोन-10 के लोगों ने लिया शपथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में केन्द्र सरकार के विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान के तहत रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 10 के सांस्कृतिक भवन गांधी चौक देवपुरी में शिविर लगाया गया। इस शिविर में रायपुर सांसद सुनील सोनी शामिल हुए।

इस दौरान लोकसभा सांसद सोनी ने शासकीय विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों में जाकर निराक्ष्ण किया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की लोकहितौषी योजना है, जिससे आम नागरिक सीधे लाभान्वित हो सकते हैं। ऐसे योजनाओं की जानकारी प्रदान करें और उनका लाभ कैसे लें उसकी प्रक्रिया के बारे में बताएं।

शिविर में 2130 पात्र नागरिक केन्द्र सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पंजीकृत किए गए। जन स्वास्थ्य जागरूकता शिविर में 1615 नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। 780 नागरिकों ने साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

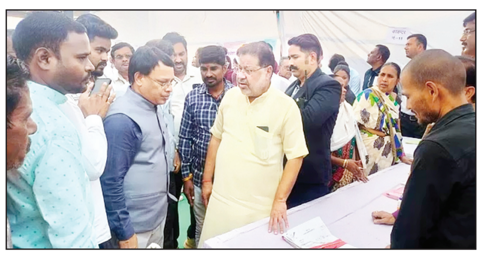

शिविर में पीएम विश्वकर्मा योजना से पात्र 25 नागरिक एवं पीएम उज्जवला योजना से 350 पीएम स्वनिधि योजना से 29, आयुष्मान भारत योजना से 61, आधार कार्ड अपडेटेशन योजना से 35 नागरिकों का पंजीकरण कराया गया।

शिविर में 72 नागरिकों ने मेरी कहानी मेरी जुबानी में सफलता की कहानी सुनाई, जबकि 125 नागरिकों ने विकसित भारत संकल्प यात्रा क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर ग्रामीण विधायक मोती लाल साहू एवं जन प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

सीएम साय के फैसले का भाजयुमो के अध्यक्ष रवि ने किया स्वागत, कहा-

पीएससी घोटाले की जांच करेगी सीबीआई, अब मिलेगा न्याय

रायपुर। छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कैबिनेट की तीसरी बैठक में पीएससी परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं की जांच की जिम्मा सीबीआई को सौंपने का निर्णय लिया गया। इस फैसले का छत्तीसगढ़ भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने स्वागत किया है। भगत ने कहा कि इससे युवाओं के साथ भर्ती में हुए अन्याय का परिमार्जन होगा। दोषियों को उनके धत्कर्मों की कड़ी सजा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सीजीपीएससी की भर्ती विवादों में रही है। इसमें आयोग के तत्कालीन चेयरमैन टामनसिंह सोनवानी, राजभवन सेक्रेटरी अमृत खलको समेत कई अफसरों के बेटे-बेटियों और रिश्तेदारों को डिप्टी कलेक्टर पद पर नियुक्ति के आरोप लगे थे। इसे लेकर अभ्यर्थियों ने नग्न होकर प्रदर्शन तक किया था। उन्होंने आरोप लगते हुए कहा कि भूपेश सरकार ने युवाओं के साथ हुए अन्याय पर ध्यान नहीं दिया।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र 'मोदी की गारंटी' में प्रदेश के युवाओं से यह वादा किया था कि सत्ता में आते ही भाजपा सरकार न केवल इस पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराई जाएगी,बल्कि पीएससी की तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की कैबिनेट के इस फैसले युवाओं के साथ हुए अन्याय का परिमार्जन होगा और पीएससी घोटाले का पूरा सच प्रदेश के सामने आएगा, दोषी सलाखों के पीछे होंगे।

दिल्ली रवाना हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, भाजपा सरकार को लेकर कहा-

सरकार को काम करने दीजिए फिर आगे बात करेंगे

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दो दिवसीय दिल्ली दौरे पर दिल्ली दौरे पर रवाना हो गए। इससे पहले उन्होंने पत्रकारों से चर्चा में बताया कि एआईसीसी की बैठक है। जो हमारी तीन दिन की बैठक थी उसकी रिपोर्ट आज हाई कमान को हम सौपेंगे। उसे पर चर्चा होगी। जो भी दिशा निर्देशों होगा हम आगे बढ़ेंगे।

बड़ी प्रशासनिक फेरबदल पर बोले पूर्व सीएम ने कहा कि नई सरकार बनी है। ट्रांसफर होते रहता है। अच्छा काम करें सभी अधिकारियों को मैं शुभकामनाएं देता हूं। महतारी वंदन योजना पर कहा अभी सरकार को काम करने दीजिए जमीन पर उतरने दीजिए। पहले तीन मंत्री थे फिर एक हफ्ते बाद कैबिनेट बना फिर एक हफ्ते बाद विभाग मिला उसके एक हफ्ते बाद बंगला अलॉट हुआ है। अभी अधिकारियों का ट्रांसफर हुआ है। सबको पहले पता नहीं था अधिकारी कहां जाएंगे अब क्लियर हो गया। उसके बाद काम करेंगे। काम करने दीजिए फिर आगे बात करेंगे। अभी तक केवल विज्ञापन और होर्डिंग में ही था।

अरविंद केजरीवाल पर आप नेता जैस्मीन शाह का कहना है, यह स्पष्ट है कि वे (भाजपा) आम आदमी पार्टी को खत्म करना चाहती है और लोकसभा चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करना चाहते हैंज् वह कानूनी प्रक्रिया में सहयोग करने के लिए तैयार हैं इस पर पूर्व सीएम ने कहा कि इसी प्रकार से झारखंड की भी बात हो रही थी। अब यहां सरकार बदल गई तो थोड़ी शीतलता है कोई कुछ सुनाई नहीं दे रहा है।

इंडिया गठबंधन लगातार इलेक्शन कमीशन से टाइम मांग रहा है लेकिन इलेक्शन कमीशन टाइम नहीं दे रहे है। इस पर भूपेश बघेल ने कहा कि बहुत गंभीर बात है। इलेक्शन कमीशन को विपक्ष की बात सुनाई चाहिए। यदि कोई बात करें। अगस्त से समय मांग रहे हैं अभी तक आखिरी लेटर जयराम रमेश का है जो हमारे महामंत्री भी हैं, राष्ट्रीय प्रवक्ता भी है। उसके बाद भी समय नहीं देना इसका मतलब यह है आप विपक्ष की आवाज उनकी बात सुनना ही नहीं चाहते। जबकि देश में ज्यादातर लोग ईवीएम पर उंगली उठा रहे हैं। उसकी निष्पक्षता पर जो फ्री एंड फेयर इलेक्शन है उस पर सवालिया निशान उठ रहे हैं। हमने तो छत्तीसगढ़ में जब हमारी सरकार बनी हमको ईवीएम पर पहले भी विश्वास नहीं था अब भी नहीं है हमने तो नगरीय निकाय चुनाव ईवीएम में नहीं बैलट पेपर में करवाया था।

किसानों की समस्या हम तक पहुंच रही है- भूपेश बघेल

3100 रुपये धान की कीमत को लेकर लगातार किसान परेशान हैं, आप तक भी यह बात आई होगी। इस पर बघेल ने कहा किसानों की समस्या पहुंच रही है। लेकिन सरकार को कम करने दीजिए। छत्तीसगढ़ में सीबीआई को जांच करने की अनुमति पर बघेल ने कहा कि रोक जो लगाया था वह रमन सिंह के ही शासन काल में लगा था। केवल नोटिफिकेशन नहीं हुआ था और भारत सरकार से हमने कहा कि पिछली सरकार में जब प्रस्ताव भेजा था उसको नोटिफाई करिए। बात उतनी थी फैसला रमन सिंह के सरकार के समय का था।

न्याय यात्रा में शामिल होने पर बोले पूर्व सीएम

राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा पर कहा कि पदयात्रा का असर होता ही है। पदयात्रा छत्तीसगढ़ में होगी तो हम शामिल होंगे ही। एआईसीसी जैसे निर्देश देगी हम उसका पालन करेंगे और पदयात्रा में शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ में यात्रा कहां-कहां से गुजरेगी आज उस पर चर्चा हो सकती है।

दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में अष्टमी तिथि पर प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का अभिषेक वृहद शांति धारा की गई

रायपुर। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर पंचायत ट्रस्ट मालवीय रोड रायपुर में 5/12/2023 तिथि पौष कृष्ण अष्टमी, वीर निर्माण संवत 2250 वृहस्पतिवार को प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान का रजत कलश से अभिषेक किया गया। ट्रस्ट कमेटी के उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू ने बताया कि प्रत्येक माह पडने वाली अष्टमी एवं चतुर्दशी का दिन विशेष महत्वपूर्ण माना जाता है। अष्टमी एवं चतुर्दशी के दिन सभी दिगंबर जैन मंदिरों में विशेष पूजन अनुष्ठान विधान आदि का आयोजन किया जाता है। राजधानी रायपुर के बड़ा दिगंबर जैन मंदिर मालवीय रोड में भी इन दिनों विशेष अभिषेक शांति धारा पूजन किया जा रहा है जिसमे आज बड़े मंदिर में प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान का रजत कलशों से अभिषेक कलश उपरांत रिद्धि सिद्धि प्रदाता चमत्कारी वृहद शांति धारा का वाचन सुरेश मोदी द्वारा किया गया।

आज की रिद्धि सिद्धि प्रदाता चमत्कारिक शांति धारा करने का सौभाग्य संजय जैन सतना प्रेमी परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात उपस्थित सभी धर्म प्रेमी बंधुओं ने श्रीजी की संगीतमय मंगल आरती की। सभी से अष्टद्रव्यों से पूजन कर महाअर्घ चढ़ाया, अंत में विसर्जन पाठ कर विसर्जन किया। इस अवसर आज ट्रस्ट कमेटी के ट्रस्टी संजय जैन सतना, उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू, प्रवीण जैन, सुरेश मोदी, बंटी जैन, प्रणीत जैन, सुजीत जैन, किशोर जैन, कृष जैन एवं बड़ी संख्या में महिलाएं भी उपस्थित थी।

राष्ट्रीय सब जूनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता आज से, मुख्यमंत्री साय करेंगे शुभारंभ

रायपुर। 40वीं राष्ट्रीय सब जूनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ शुक्रवार को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में होने जा रहा है, जिसका शुभारंभ सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। इस प्रतियोगिता में इंडियन राउंड, रिकर्व और कंपाउंड राउंड में व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा की प्रतियोगिता होगी। जिसमें मेजबान छत्तीसगढ़ के तीनों इवेंट्स में कुल 24 बालक-बालिका खिलाड़ी पदक के लिए निशाना साधेंगे। राष्ट्रीय स्पर्धा में 44 स्वर्ण, 44 रजत और 44 कांस्य पदक खिलाड़ियों को दिए जाएंगे जिसमें व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा के पदक शामिल हैं। 9 जनवरी को कंपाउंड राउंड के विजेता तीरंदाजों को पुरस्कृत करने के लिए केंद्रीय मंत्री व भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा रायपुर आ रहे हैं। स्पर्धा 12 जनवरी तक चलेगी। छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए छत्तीसगढ़ समेत देशभर के लगभग 680 बालक-बालिका खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था गुढियारी स्थित मारुति मंगलम भवन में की गई है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में तीनों इवेंट्स में 30मीटर, 50मीटर और 60मीटर की स्पर्धाएं होंगे। स्पर्धा के सफल आयोजन के लिए प्रदेश संघ ने 100 से अधिक प्रशिक्षक, स्कोरर और अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। संघ ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले मेजबान खिलाड़ियों को 25-25 हजार रुपए नकद इनाम देकर सम्मानित किया जाएगा।

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स.क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	150685 तृतीय आमंत्रण 29.12.2023	नाबार्ड योजनांतर्गत् जिला बलरामपुर के प्रतापपुर से नवाधाकी मार्ग लं. 20.00 कि.मी. (वास्तविक लं. 7.20 कि.मी.) का निर्माण कार्य।	1128.91

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 11.01.2024 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी-06856/10

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना जल संसाधन विभाग रायपुर (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement portel : https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

संशोधन कमांक- 1

निविदा सिस्टम नं. 150261/ निविदा सूचना क्र. 08/व.ले.लि./2023-24 दिनांक 26.12.2023 जी.नं. 06723 का मुरुमसिल्ली बांध के नीचे पहुंच मार्ग (निरीक्षण रोड) एवं संरचनाओं का निर्माण कार्य की आमंत्रित निविदा में अपरिहार्य कारण से निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।

Earlier Published in E-procurement Website	Present Amendment in E-procurement Website
1. Bid Start Date and time: 02.01.2024, 17.31 pm (The date and time from which bidders start preparation / submission of their bid response, before this bidder's action will not be allowed.)	1. Bid Start Date and time: 09.01.2024, 17.31 pm (The date and time from which bidders start preparation / submission of their bid response, before this bidder's action will not be allowed.)
2. Bid Due Date and time: 16.01.2024, 17.30 pm (The last date & time for submission of bid response, after which no bids can be submitted.)	2. Bid Due Date and time: 23.01.2024, 17.30 pm (The last date & time for submission of bid response, after which no bids can be submitted.)
3. Bid Open Start Date and time: 17.01.2024, 11.30 am (The date of opening of Envelop -A & B online)	3. Bid Open Start Date and time: 24.01.2024, 11.30 am (The date of opening of Envelop -A & B online)

निविदा की अन्य सभी शर्ते यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
जल प्रबंध संभाग रूद्री
वास्ते मुख्य अभियन्ता,
महा. प्ररि. जल संसाधन विभाग, रायपुर

जी-06860/8

समाचार पचीसा
रायपुर, शुक्रवार 05 जनवरी 2024

नये साल से उम्मीदें और चुनौतियां

ललित गर्ग

नया साल प्रारंभ हो गया है तो हर बार की तरह इस बार भी नई उम्मीदें, नया विश्वास एवं नया धरातल लाया है। बीत गया एक और साल। नये की स्वीकृति के साथ पुराने को अलविदा कह देने की सामान्य सोच रही है। यह समझ देखी गयी है कि नयेपन के जादुई आकर्षण के जागते ही हम पुरानेपन को उतार फेंकना चाहते हैं। हमने बीते वर्ष में श्रेष्ठताओं की उपलब्धि पर सात्विक गर्व करने की अनेक स्थितियों को रचा है लेकिन हम सबके लिए और देश के लिए भी आने वाले वर्ष कुछ महत्वपूर्ण करणीय कार्य है। निश्चित ही नया साल हमेशा की तरह कुछ सवाल भी लेकर आया है। ऐसे सवाल जिनका हल निकाले बिना शायद हम संतुष्ट न हो पाएं और नये भारत-सशक्त भारत का सपना आधा-अधूरा ही कहा जायेगा। ऐसे नए-पुराने सवाल हर नए साल में सामने आते रहे हैं। कुछ सवालों को हल करने में हम सफल रहे, लेकिन कुछ सवाल हमेशा की तरह अनुत्तरित ही रह गए। सच तो यह है कि नई जिन्दगी की शुरुआत ही नया वर्ष है। यह पुरुषार्थ का सन्देश है, अधूरे रहे कामों एवं संकल्पों को पूरा करने का। इन क्षण जड़ताओं को तोड़कर मुक्त होती है हमारे विकास की उजली संभावनाएं। यह अच्छाइयों एवं अधूरे रहे कार्यों को पूरा करने की ओर मुड़ने की प्रेरणा है। अर्धशून्य ढर्रे की जीवनशैली एवं विकास योजनाओं को बदलने का बुजुर्गी सुझाव है। समस्या जब बहुत चिन्तनीय बन जाती है तो उसे बड़ी गंभीरता से नया मोड़ एवं रफ्तार देने की जरूरत है। शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी समस्याएं से जुड़े ऐसे ही अफसोस के अहसास हमारे लिये गंभीर होने चाहिए। आजादी के अमृत काल में भी शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी चिन्ताओं का गहन बना रहना हमारी विकास यात्रा पर एक सवालिया निशान है। शिक्षा जगत से जुड़ी एक खबर सामने आई है, वह यह कि बढ़ती महंगाई और बदलते नियमों से विदेशों में पढ़ाई मुश्किल हुई है। सब जानते हैं कि शिक्षा हर परिवार के लिए एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। हर मां-बाप अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाना चाहते हैं। कई बार अच्छी शिक्षा के लिए बच्चों को विदेश भी भेजना पड़ता है। सवाल यह है कि आबादी के हिसाब से दुनिया का पहले नंबर वाला देश क्या अपने यहां ही बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया नहीं करा सकता? यह सवाल करोड़ों बच्चों की जिंदगी से जुड़ा हुआ है। सरकार के अनूठे एवं व्यापक प्रयत्नों के बावजूद शिक्षा और चिकित्सा के लगातार महंगे होने की चिन्ता से हर कोई परेशान है। शिक्षा और चिकित्सा को व्यवसाय बना देने एवं निजी हाथों में सौंप देने से ही दोनों महंगी हुई है, आम आदमी तक उसकी पहुंच जटिल होती गयी है। इस बात पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने चिन्ता जताते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही हर व्यक्ति की मूलभूत जरूरत है पर दोनों ही महंगी और दुर्लभ हो रही हैं। इसकी वजह जनसंख्या के मुताबिक उपलब्धता की कमी और व्यावसायिकता है।' नये भारत के निर्माण के साथ समय की इस दस्तक को सुनें। निश्चित ही यह भारत की समृद्धि एवं विश्व प्रतिष्ठा की दृष्टि से एक अनूठा उपक्रम हो सकता हैं, लेकिन प्रश्न भारतीय छात्रों का है, उनकी शिक्षा से जुड़ी समस्याओं का है। महंगी होती शिक्षा आम जनजीवन से दूर होती जा रही है, ऐसे में भारतीय छात्रों की सूध कौन लेगा? शिक्षा पर लंबे-लंबे भाषण देने वाले राजनेता, शिक्षाविद, अधिकारी और मंत्री भी देश की इन स्थितियों से परिचित हैं। बसों में मूंगफली बेचते हुए, स्टेशनों पर भीख मांगते हुए, चौराहों पर भुट्टा भूजते हुए, फैक्ट्रियों में बिसलरी की बोतलों में पानी भरते हुए, सड़क के किनारे टाट पर सब्जी बेचते या चाट का ढेला लगाते हुए इन बच्चों को कौन नहीं देखता है। ऐसा इन्हें क्यों करना पड़ता है? यह जानने की कोशिश कितने लोग करते हैं?

इंडी एलायंस के भीतर प्रेशर ग्रुप

अजय सेतिया

इंडी एलायंस के सभी घटक दलों में सीट शेयरिंग के फार्मूले को लेकर भारी मतभेद हैं। फारूक अब्दुल्ला ने सुझाव दिया था कि जो दल 2019 में किसी सीट पर जीता था, उन सीटों पर वही दल लड़े।

इस फार्मूले को नामंजूर कर दिया गया था। उनके इस फार्मूले के आधार पर महबूबा मुफ्ती के हिस्से जम्मू क्षेत्र की एक सीट आ सकती थी, और कांग्रेस को भी सिर्फ जम्मू क्षेत्र की ही दूसरी सीट मिलती, क्योंकि कश्मीर घाटी की तीनों सीटें पिछली बार नेशनल कांफ्रेंस जीती थी और जम्मू की दोनों सीटें भाजपा जीती थी।

फारूक अब्दुल्ला की तरह जो कोई भी फार्मूला सुझा रहा है, वह अपने फायदे को सामने रख कर ही फार्मूला सुझा रहा है। दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस लोकसभा की पिछली परफोर्मेंस के आधार पर सीटों का बंटवारा चाहती है। कांग्रेस ने कहा है कि पंजाब में उसने 8 सीटें जीती थीं, और दिल्ली में 6 सीटों पर वह दूसरे नंबर पर रही थी।

पंजाब में जालन्धर का उपचुनाव कांग्रेस आम आदमी पार्टी से हार गई थी, इसलिए वह सात सीटों के अलावा भाजपा की जीती हुई दो सीटों पर भी दावा ठोक रही है। कांग्रेस पंजाब में आम आदमी पार्टी का तीन सीटों और दिल्ली में एक सीट पर दावा मानती है। जबकि अरविन्द केजरीवाल दोनों ही राज्यों में पिछले विधानसभा चुनावों की दोनों पार्टियों की परफोर्मेंस के आधार पर टिकटों का बंटवारा चाहते हैं। दिल्ली में तीन-चार के फार्मूले पर और पंजाब में 6-7 के फार्मूले पर फैसला हो भी सकता है, लेकिन पंजाब प्रदेश कांग्रेस के नेता इसके लिए तैयार नही।

केजरीवाल इन दोनों राज्यों के अलावा गुजरात, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान और गोवा में भी सीटें मांग रहे हैं। केजरीवाल की कांग्रेस से बात बिगड़ती दिख रही है, इसका सबूत यह है कि पहली जनवरी को पंजाब प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने शराब घोटाले पर केजरीवाल पर सवाल किए, तो पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कह दिया है कि पंजाब और दिल्ली में कोई भी मां अपने बच्चों को सबसे छोटी कहानी सुना सकती है कि एक थी कांग्रेस।

पंजाब और दिल्ली जैसा ही पेच महाराष्ट्र में फंसा है। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना में सीट बंटवारे को लेकर एक दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी शुरू हो गई है। इसकी शुरुआत उद्धव ठाकरे की शिवसेना के प्रवक्ता संजय राउत ने की, जब उन्होंने लोकसभा की 48 सीटों में से 23 सीटों की मांग की। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा से गठबंधन में शिवसेना 23 सीटें लड़कर 18 सीटें जीती थी।

इसके जवाब में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र में उद्धव बालासाहेब शिवसेना का कोई आधार नहीं है, उसे जीरो से शुरू करना है। इसके जवाब में संजय राउत ने कहा कि शिवसेना पिछली बार महाराष्ट्र में 18 लोकसभा सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस सिर्फ एक सीट जीती थी, शिवसेना के मुकाबले कांग्रेस कहीं नहीं ठहरती। कांग्रेस महाराष्ट्र में जीरो है, और उसे जीरो से शुरुआत करनी है।

इसके जवाब में सामना हिन्दी अखबार के संस्थापक संपादक और कांग्रेस- शिवसेना के पूर्व सांसद संजय निरुपम उतरे, जिन्होंने कहा कि शिवसेना पिछली बार मोदी के चेहरे पर 18 सीटें जीती थीं, और वे 18 के 18 सांसद अब एकनाथ शिंदे के माध्यम से मोदी के साथ ही हैं, उद्धव ठाकरे को शून्य से ही शुरुआत करनी है, इसलिए उनका 23 सीटों पर कोई दावा नहीं बनता।

संजय राउत और संजय निरुपम दोनों ही शिवसेना के अखबार सामना के संपादक थे। जब बाला साहेब ठाकरे ने हिन्दी सामना के संपादक संजय निरुपम को राज्यसभा में भेज दिया था तो उनके खिलाफ साजिश रचकर संजय राउत ने उन्हें पार्टी से निकलवाया था, और बाद में खुद राज्यसभा पहुंच गए थे। जबकि संजय निरुपम कांग्रेस में शामिल होकर एक बार लोकसभा के सांसद भी रह चुके हैं।

उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव ने कह दिया है कि पहले यह तय हुआ था कि जिस प्रदेश में जो पार्टी हावी है, वही सीटों के बंटवारे को लीड करेगी। इसलिए उत्तर प्रदेश की सीटों का बंटवारा समाजवादी पार्टी तय करेगी। कांग्रेस 2009 के चुनाव नतीजों के आधार पर 21 सीटों पर दावा थोक रही है, लेकिन अखिलेश यादव 10-12 सीटों से ज्यादा देने को तैयार नहीं।

असल में अखिलेश यादव मध्यप्रदेश में दूध के जले हैं, इसलिए छाछ को फूंक फूंक कर पीना चाहते हैं। वह खुद अपने मुहं से कांग्रेस को चालू, धोखेबाज और मक्कार पार्टी कह चुके हैं। उन्हें लगता है कि कहीं ऐसा न हो कि मध्यप्रदेश की तरह आखिर में आकर बात बिगड़ जाए, अगर ऐसा हुआ तो उन्हें खुद को नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्हें यह भी आशंका है कि कांग्रेस अंदरखाते बहुजन समाज पार्टी से भी कुछ सीटों पर अंडरस्टेंडिंग कर रही है, जो उनके साथ विश्वासघात है, इसलिए 19 दिसंबर की बैठक में उन्होंने सवाल उठा दिया था कि कांग्रेस का कोई नेता बसपा से बात कर रहा है। इस बीच आश्चर्यपूर्ण ढंग से ममता बनर्जी की अखिलेश यादव से बातचीत हुई है।

ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी के लिए उत्तर प्रदेश की चंदौली सीट माँगी है, जिसके लिए अखिलेश यादव ने हामी भर दी है। चंदौली सीट वाराणसी के बगल की सीट है, जो कांग्रेस के दिग्गज नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी की कर्मभूमि रही है। कमलापति त्रिपाठी का पोता राजेशपति त्रिपाठी कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे। ममता बनर्जी ने उन्हीं के लिए चंदौली की लोकसभा सीट माँगी है, जिसे देने के लिए अखिलेश यादव ने हामी भर दी है। कांग्रेस को छोड़कर बाकी सभी सहयोगी दलों की सीटों की शिनाख्त हो चुकी है, लेकिन बात कांग्रेस से ही अटकी हुई है।

ममता बनर्जी ने सीट शेयरिंग के लिए 31 दिसंबर की समय सीमा तय की थी, 31 दिसंबर तक सीट शेयरिंग नहीं हुई तो ममता बनर्जी ने कह दिया है कि सारे देश में वह इंडी एलायंस का हिस्सा हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का भाजपा के साथ सीधा मुकाबला है, इसलिए बंगाल में तृणमूल कांग्रेस अकेले लड़ेगी। उनके इस बयान के बाद पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने भी उनके खिलाफ बयानबाजी शुरू कर दी है।

असल में ममता बनर्जी और अखिलेश यादव में नई खिचड़ी पक रही है। ममता बनर्जी ने उसी भाषा का इस्तेमाल किया है, जिस भाषा का इस्तेमाल अखिलेश यादव को मध्यप्रदेश में सीट न देते हुए कांग्रेस ने किया था। कांग्रेस ने यह कहते हुए समाजवादी पार्टी को मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में एक भी सीट देने से इनकार कर दिया था कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस का भाजपा से सीधा मुकाबला है।

अब ममता बनर्जी ने कहा है कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का भाजपा से सीधा मुकाबला है। इंडी एलायंस बनने से पहले मार्च 2022 में ही ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल, अखिलेश यादव और चन्द्रशेखर राव में गैर भाजपा-गैर कांग्रेस मोर्चा बनाने की सहमति हो गई थी। चन्द्रशेखर राव को छोड़कर बाकी तीनों दल इस समय इंडी एलायंस का हिस्सा हैं। लेकिन कांग्रेस की क्षेत्रीय दलों के नेताओं को अहमियत न देने की शैली के खिलाफ ममता बनर्जी, केजरीवाल और अखिलेश यादव इंडी एलायंस के भीतर एक प्रेशर ग्रुप के तौर पर उभर रहे हैं। इनके साथ उद्धव ठाकरे भी जुड़ गए हैं। इन सभी दलों की कांग्रेस के साथ इन दलों के मुताबिक़ सीट शेयरिंग नहीं हुई तो गठबंधन टूट भी सकता है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

पाशुपतब्रह्मोपनिषद् (भाग-4)

गतांक से आगे...

आदित्य जगत् को प्रकाशित करता है, यह जानकर वे बुद्धिमान् मनुष्य पवित्रता एवं ज्ञान के लिए उसकी प्रार्थना करते हैं। वाजपेय यज्ञ (विशिष्ट ज्ञानयज्ञ) पशुहर्ता (पशुत्वभाव-अज्ञान भाव का हरण करने वाला) है। इस यज्ञ के अध्वर्यु एवं देवता इन्द्र (परमेश्वर) हैं। यह अहिंसात्मक धर्मयज्ञ (मोक्षयज्ञ) है, इसके अध्वर्यु परमहंस तथा देवता पशुपति परमात्मा हैं।

वेद एवं उपनिषद् में जिस ब्रह्म का प्रतिपादन किया गया है, उसी (परमात्मतत्त्व) की ये स्वाध्याययुक्त. ब्रह्मज्ञानी उपासना करते हैं। इस महायज्ञ का ज्ञान ही अश्वमेध यज्ञ है। इसके आश्रय से ही वे (ज्ञानीजन) ब्रह्मज्ञान का आचरण करते पूर्व में वर्णित समस्त ब्रह्मयज्ञ कर्म ही मुक्ति प्रदान करने में समर्थ हैं। ब्रह्मपुत्र ने पुनः कहा-हंस से सम्बन्धित ज्ञान का प्राकट्य हो गया है। ऐसा श्रवण कर स्वयंभू तिरोहित हो गये। इस उपनिषद् में जिस हंस ज्योति का वर्णन किया गया है, वही रुद्र है और संसार से उद्धार करने वाला प्रणव (ओंकार) ही पशुपति (ब्रह्म) है, उसे ऐसा जानो। हंस का जप ही वर्ण ब्रह्म है, इसी से ब्रह्म-प्राप्ति की प्रेरणा प्राप्त होती है। यह ब्रह्म ही परमात्मा एवं पुरुष है। यह ब्रह्म सम्पत्ति से युक्त होता है।

जो मनुष्य अपने आत्मिक ज्ञान से ब्रह्म के समान हो गया हो, फिर उसके संदर्भ में कहने के लिए क्या शेष रह जाता है? ज्ञानी मनुष्य अपना सम्पूर्ण समय ब्रह्मचर्चा एवं उपासना में ही व्यतीत करते हैं। जब हंस एवं आत्मा में एकात्मता स्थापित हो जाती है, तो फिर प्रजा कहाँ हो सकती है?

अन्तःकरण से निःसृत होने वाले प्रणव रूपी नाद से जो हंस ज्ञात होता है, वही सम्पूर्ण ज्ञान का बोध कराने वाला है। अन्त में अनुभवगम्य गूढ़ ज्ञान के द्वारा बाह्य जगत् के ज्ञान की प्राप्ति होती है। शिव-शक्तिमयात्मकरूप चिन्मय आनन्द से ज्ञात होने वाला है। नाद, बिन्दु एवं कला इन तीनों नेत्रों (जागृति) से ही यह जगत् चेष्टायुक्त है। तीन अंग, तीन शिखा एवं दो या तीन मात्राओं में उसकी संख्या (आकृति) ज्ञात होती है। जब इस प्रकार से वह अन्तर्धान हो जाता है, तब इस गूढ़ आत्मा का ज्ञान बाह्य जगत् में भी प्रमाण के रूप में प्रकट होता है।

क्रमशः ...

राष्ट्रीय पक्षी दिवस

राष्ट्रीय पक्षी दिवस हर साल 5 जनवरी को मनाया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में 2002 में इस दिवस को मनाने की शुरुआत की गई थी, लेकिन धीरे-धीरे इस दुनिया के कई हिस्सों में मनाया जाने लगा। राष्ट्रीय पक्षी दिवस के अन्य प्रासंगिक दिन यानी बर्ड डे और विश्व प्रवासी पक्षी दिवस अलग-अलग तारीखों पर मनाया जाता है। इस दिन लोगों को पक्षियों के बारे में जागरुक किया जाता है। ताकि दुनिया जान सके कि इंसानों के बीच पक्षियों की अलग दुनिया है जो हमारे पर्यावरण के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं।

राष्ट्रीय पक्षी दिवस का महत्व

राष्ट्रीय पक्षी दिवस बंदी और जंगली दोनों पक्षियों की रक्षा और

उनके अस्तित्व के मुद्दों पर रोशनी डालता है। Born Free USA के अनुसार, दुनिया की लगभग 10,000 पक्षी प्रजातियों में से 12 फीसदी विलुप्त होने की कगार पर हैं। राष्ट्रीय पक्षी दिवस समारोह इन पारिस्थितिक समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने और दुनिया भर में पक्षियों की रक्षा और संरक्षण के लिए लोगों को शिक्षित करने के लिए एक मंच और अवसर प्रदान करता है।इस दिवस की सहायता से अब पूरी दुनिया ये समझने लगी है कि किस तरह से पक्षी हमारे जीवन के लिए उपयोगी Importance and History of National Bird Day हैं।कैसे मनाया जाता है राष्ट्रीय पक्षी दिवस ÷ राष्ट्रीय पक्षी दिवस को सेलिब्रेट करने के लिए लोग बर्ड वाचिंग के अलावा पक्षियों से संबंधित कई तरह के गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं। पक्षियों के बारे में अध्ययन करते हैं और दूसरों को शिक्षित करते हैं। लोग अक्सर पक्षियों को एडॉप्ट करके अपना समर्थन देते हैं। कई लोग पक्षियों की प्रजातियों के बारे में जानने के लिए पुस्तकों की मदद लेते हैं। आपको बता दें कि पक्षियों की 10,000 से भी ज्यादा प्रजातियां हैं। राष्ट्रीय पक्षी दिवस इन पक्षियों के बारे में अधिक जानने और उनके संरक्षण के बारे में बताता है।

छत्तीसगढ़ का राजकीय पक्षी

छत्तीसगढ़ का राजकीय पक्षी पहाड़ी मैना है। वर्ष 2002 में इसे छत्तीसगढ़ का राजकीय पक्षी (State Bird Of Chhattisgarh In Hindi) घोषित किया गया। मुख्यतः यह बस्तर क्षेत्र में पाई जाती है। इसे कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में संरक्षित किया गया है। पहाड़ी मैना' एक छोटे आकार की चिड़िया है, जो Sturnidae परिवार से संबंधित है। इसे अंग्रेजी में 'Hill Myna' कहते हैं। इसका वैज्ञानिक नाम 'Gracula Religiosa Peninnsularis' है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह हूबहू मनुष्यों की बोली की नकल कर लेते हैं।

उल्फा-सरकार शांति समझौता: असम में फिर नई उम्मीद

चंदन कुमार शर्मा

विगत 29 दिसंबर को केंद्र, असम सरकार और यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट (उल्फा) के वार्ता समर्थक गुट के बीच एक त्रिपक्षीय शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्व शर्मा ने समझौते को ऐतिहासिक बताया और कहा कि यह राज्य में दशकों से चल रही हिंसा खत्म करेगा और विकास एवं समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत होगी।

एक संप्रभु असम की मांग के साथ भारत राष्ट्र के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष की घोषणा करते हुए 1979 में उल्फा का गठन किया गया था। तब से, इस सशस्त्र संघर्ष में दस हजार से अधिक लोगों की जान गई है, अनेक लोग जीवन भर के लिए अपंग हो गए और कई लोगों को अन्य प्रकार के अत्याचारों का सामना करना पड़ा है। इसलिए असम की जनता लंबे समय से समस्या का राजनीतिक समाधान चाहती रही है।

ऐसी ही एक पहल 2005 में हुई थी, जब उल्फा नेतृत्व द्वारा पीपुल्स कंसल्टेटिव ग्रुप (पीसीजी) नामक एक समूह का गठन किया गया था, जिसमें केंद्र सरकार के साथ परामर्श करने के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता डॉ. इंदिरा गोस्वामी के नेतृत्व में असमिया नागरिक समाज के सदस्य शामिल थे। समूह ने केंद्र सरकार के साथ कई दौर की चर्चा की। लेकिन 2009 में उल्फा प्रमुख अरबिंद राजखोवा सहित संगठन के शीर्ष नेताओं को बांग्लादेश में गिरफ्तार कर असम लाए जाने के बाद घटनाओं ने अलग मोड़ ले लिया। संगठन के कई महत्वपूर्ण नेता या तो सुरक्षा बलों द्वारा मारे गए या उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। गिरफ्तार नेतृत्व ने 2011 में पीसीजी को मध्यस्थ न रखने और केंद्र सरकार के साथ सीधे वार्ता करने का फैसला किया। जबकि म्यांमार स्थित उल्फा के कमांडर इन चीफ और कट्टरवादी परेश बरुआ ने इसे %असांविधानिक% करार दिया।

हालांकि इस बीच उल्फा नेतृत्व ने, जिसे वार्ता

समर्थक समूह कहा जाता है, असम के नागरिक समाज से कहा कि वे समस्या के समाधान के लिए उनका मार्गदर्शन करें। उसके बाद मई, 2011 में प्रमुख बुद्धिजीवी हिरेन गोहेन के नेतृत्व में गुवाहाटी में नागरिक समाज ने सम्मेलन कर उल्फा नेतृत्व को केंद्र सरकार के समक्ष उठाई जाने वाली मांगों का एक चार्टर सौंपा। मांगों के चार्टर में राज्य में उत्पन्न राजस्व, प्राकृतिक संसाधनों, योजना प्रक्रिया को नियंत्रित करने के लिए राज्य की शक्ति मजबूत करने और एक सुरक्षित जनसांख्यिकीय स्थिति के साथ-साथ त्वरित और संतुलित विकास सुनिश्चित करने के माध्यम से असम (इसके लोगों) को अपने भविष्य पर अधिक नियंत्रण देने के लिए सांविधानिक संशोधन का प्रावधान शामिल था।

हालांकि, परेश बरुआ ने केंद्र सरकार के साथ चर्चा के महत्व को खारिज नहीं किया, लेकिन वह इस बात पर अड़े रहे कि चर्चा संगठन की मूल मांग-राजनीतिक संप्रभुता और आर्थिक स्वायत्तता-पर होनी चाहिए। कई दौर की चर्चा के बाद हालिया संधि पर हस्ताक्षर किए गए हैं। बेशक यह समझौता स्वदेशी समुदायों के हितों की रक्षा कर उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का वादा करता है, लेकिन यह कैसे किया जाएगा, यह बहुत स्पष्ट नहीं है।

लगता है कि बाकी के अधिकांश प्रावधान, जैसे-मतदाता सूची से अवैध विदेशियों के नाम हटाने के लिए मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया की पुन÷ जांच, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर की पुन÷ जांच (जो सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है), भूमि संबंधी आंकड़ों का डिजिटलीकरण, अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मजबूत निगरानी, भूमिहीन स्वदेशी लोगों को जमीन देना आदि कोई नई बात नहीं है। इनमें से कुछ और राज्य में नई रेलवे लाइनों और राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थापना का जिक्र समझौते में किया गया है, जो सरकार के पहले से किए जा रहे कार्यों का ही विस्तार है।

परेश बरुआ ने इस त्रिपक्षीय समझौते को %शर्मनाक% और राज्य के लोगों के साथ धोखा बताया है। उन्होंने कहा कि वह चर्चा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन तब तक वार्ता की मेज पर नहीं बैठ सकते, जब तक असम की स्वायत्तता को मुद्दे पर चर्चा न हो। राज्य की जनता की प्रतिक्रिया भी बहुत ठंडी है। मीडिया और विपक्षी पार्टियां भी इसकी आलोचना कर रही है। उल्फा के वार्ता समर्थक गुट के कुछ लोगों ने कहा कि वे समझौते की शर्तों से अनभिज्ञ थे और खुश नहीं हैं। वास्तव में समझौते की आलोचना इसलिए हो रही है, क्योंकि यह उल्फा के राजनीतिक मुद्दों को कमजोर करने वाले कुछ आर्थिक पैकेज तक ही सीमित है। वार्ता समर्थक गुट ने भी स्वीकार किया है कि वे अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद समझौते से अधिक कुछ हासिल नहीं कर सके। मौजूदा परिस्थितियों में वे अधिक सौदेबाजी करने की स्थिति में भी नहीं थे। इसलिए समझौते की सीमित सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि इसके मौजूदा प्रावधानों को कैसे लागू किया जाता है।

सभी जानते हैं कि परेश बरुआ उल्फा की मुख्य ताकत बने हुए हैं। वह म्यांमार से ऑपरेशन चलाते हैं और हाल ही मीडिया में खबर आई कि असम के युवाओं में उनका साथ देने के लिए म्यांमार जाने का नया चलन शुरू हुआ है। वार्ता समर्थक गुट समेत सभी जानते हैं कि उल्फा समस्या का समाधान तभी होगा, जब परेश बरुआ चर्चा में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विस्व शर्मा भी कई बार इसका संकेत दे चुके हैं। ताजा समझौते के पीछे मुख्यमंत्री की भूमिका स्पष्ट नजर आ रही है। इस समझौते ने परेश बरुआ की प्रासंगिकता को खत्म करने का अवसर दिया था। ऐसा क्यों नहीं किया गया, यह स्पष्ट नहीं है। इसलिए आलोचकों ने इस समझौते को लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर किया गया समझौता बताया है। लेकिन जनता की प्रतिक्रिया देखते हुए लगता नहीं है कि इससे सत्तारूढ़ दल को कोई लाभ होगा।

समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले ऊपरी असम में सुरक्षा बलों पर उल्फा के नए हमले हुए। कुछ उल्फा कैडर मारे गए और कुछ गिरफ्तार हुए। यह उल्फा (स्वतंत्र) के नाम वाले परेश बरुआ के विद्रोही गुट की ताकत का प्रदर्शन है या यह नियंत्रण में रखने के लिए सरकार की सक्रिय भूमिका का नतीजा है-यह कहना कठिन है। मौजूदा समझौते की प्रकृति और समझौते के बाद हस्ताक्षर करने वाले उल्फा नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री के बयानों से लगता है कि अभी भविष्य के गर्भ में बहुत कुछ है।

आज का इतिहास

1970 चीन के यून्नान प्रांत में रिक्टर पैमाने पर 7.7 तीव्रता वाले भूकंप से 15000 लोगों की मौत हुई।

1975 तस्मान पुल, होबार्ट, ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में डेरवेंट नदी को पार करते हुए, बल्क कैरियर लेक इलवारा से टकरा गया था, जिसमें जहाज के चालक दल के सात और पुल पर पांच मोटर चालक मारे गए थे।

1976 द ट्रबल: छह कैथोलिकों की हत्याओं के जवाब में, रात से पहले, दक्षिण आर्माग रिपब्लिकन एक्शन फोर्स ने उत्तरी आयरलैंड के काउंटी आर्मांग में दस प्रोटेस्टेंट को मार डाला।

1981 द हिचहाइकर की गाइड टू द गैलेक्सी, डगलस एडम्स की बुक का पहला टीवी रूपांतरण बीबीसी टू पर शुरू किया गया।

1991 सोमाली गृह युद्ध के दौरान मोगादिशु को हिंसा से घेरने के बाद मोगादिशु में सोमालिया के संयुक्त राज्य दूतावास को हेलीकॉप्टर एयरलिफ्ट से निकाला गया था।

1993 क़रीब 85,000 टन कच्चा तेल ले जा रहा एमवी ब्रेअर नाम का तेल टैंकर तूफ़ान में फंस जाने से शेटलैंड द्वीप के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

1993 वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा ने क्रिकेट एससीजी में 277 बनाम ऑस्ट्रेलिया पूरा किया।

1994 अलेक्जेंडर पोपोव ने फ्रीस्टाइल (47.82) में विश्व रिकॉर्ड 100 मीटर तैराकी की।

1996 हमास के संचालक याहया अय्याश की हत्या एक बम से लैस फोन से की गई थी, जिसे इजरायल की शिन बेट ने लगाया था।

1997 प्रसिद्ध शो शो बोट गेर्शविन थिएटर न्यूयॉर्क शहर में बंद हुआ।

2003 लंदन पुलिस ने लंदन अंडरग्राउंड पर रिसीन को रिहा करने के लिए एक कथित आतंकवादी साजिश के साथ छह लोगों को गिरफ्तार किया, हालांकि केवल एक को अंततः दोषी ठहराया गया था।

2005 इरिस, सौर मंडल का सबसे बड़ा ज्ञात बौना ग्रह है, जिसकी खोज माइकल ई. ब्राउन के नेतृत्व में एक दल ने की थी, जो मूल रूप से 21 अक्टूबर, 2003 को सैन डिएगो काउंटी, कैलिफोर्निया में पालोमर वेधशाला में ली गई छवियों का उपयोग करके किया गया था।

2008 मिखाइल साकाशविली को निर्णायक रूप से जॉर्जिया के राष्ट्रपति के रूप में देश के पहले वास्तविक राष्ट्रपति चुनाव के इतिहास में फिर से चुना गया।

2010 विश्व खाद्य कार्यक्रम की घोषणा की क्योंकि यह क्षेत्र में अस्थिरता के कारण सोमालिया में परिचालन को निलंबित कर देगा।

अब लोचन अकुलाय, लखिबों लोचन लाल को... छत्तीसगढ़ के गौरव पं. लोचन प्रसाद पाण्डेय

प्रो. अश्विनी केशरवानी

छत्तीसगढ़ जैसे वनांचल के किसी ग्रामीण कवि को साहित्य का सर्वोच्च सम्मान श्साहित्य वाचस्पतिश् दिया जाये तो उसकी ख्याति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। बात तब की है जब इस सम्मान के हकदार गिने चुने लोग थे। छत्तीसगढ़ की भूमि को गौरवान्वित करने वाले महापुरूष बालपुर के प्रतिष्ठित पाण्डेय कुल के जगमगाते नक्षत्र पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय थे। उन्हें हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा सन् 1948 में मेरठ अधिवेशन में साहित्य वाचस्पति से सम्मानित किया गया था। वे इस सम्मान से विभूषित होने वाले छत्तीसगढ़ के पहले व्यक्ति थे। इस सम्मान को पाले वाले व्यक्तियों को पाण्डेय जी ने इस प्रकार रेखांकित किया है:-

गर्व गुजरात को है जिनकी सुयोग्यता का,
मुंशीजी कन्हैयालाल भारत के प्यारे हैं
विश्वभारती है गुरूदेव का प्रसिद्ध जहाँ
उस बंगभूमि के सुनीति जी दुलारे हैं
ब्रज माधुरी के सुधा सिंधु के सुधाकर में
विदित वियोगी हरि कवि उजियारे हैं
मंडित श्साहित्य वाचस्पतिश् पदवी से हुए
लोचन प्रसाद भला कौन सुनवारे हैं।

बाद में इस अलंकरण से छत्तीसगढ़ के अनेक साहित्यकार विभूषित किये गये। कहना अनुचित नहीं होगा कि छत्तीसगढ़ में अन्यान्य उच्च कोटि के साहित्यकार हुए। पंडित शुकलाल पाण्डेय की एक कविता देखिये:-

यही हुए भवभूति नाम संस्कृत के कविवर
उत्तर राम चरित्र ग्रंथ है जिसका सुन्दर
वोपदेव से यही हुए हैं वैयाकरणी
है जिसका व्याकरण देवभाषा निधितरणी
नागर्जुन जैसे दार्शनिक और सुकवि ईशान से
कोशल विदर्भ के मध्य में हुए उदित शशिभान से ।

छत्तीसगढ़ की माटी को हम प्रणाम करते हैं जिन्होंने ऐसे महान् सपूतों को जन्म दिया है। छत्तीसगढ़ वंदना की एक बानगी स्वयं पाण्डेय जी के मुख से सुनिए:-

जयति जय जय छत्तीसगढ़ देस
जनम भूमि, सुखर सुख खान ।
जयति जय महानदी परसिद्ध
सोना-हीरा के जहाँ खदान ।।
जहाँ के मोरध्वज महाराज
दान दे राखिन जुग जुग नाम ।
कृष्ण जी जहाँ विप्र के रूप
धरे देखिन श्री मनिपुर धाम ।।
जहाँ है राजिवलोचन तिरिथ
अउ, सबरीनारायण के क्षेत्र ।
अमरकंटक के दरसन जहाँ
पवित्तर होथे मन अउ नेत्र ।।
जहाँ हे ऋष्भतीर्थ द्विजभूमि
महाभारत के दिन ले ख्यात् ।
आज ले जग जाहिर ऐ अमिट
जहाँ के गाउ दान के बात ।।

मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि यह मेरी भी जन्म स्थली है। मुझे यह विधा विरासत में मिली है। क्योंकि प्राचीन काल में महानदी का तटवर्ती क्षेत्र बालपुर, राजिम और शिवरीनारायण सांस्कृतिक और साहित्यिक तीर्थ थे। उस काल के केंद्र बिंदु थे- शिवरीनारायण के तहसीलदार और सुप्रसिद्ध साहित्यकार ठाकुर जगमोहन सिंह जिन्होंने छत्तीसगढ़ के बिखरे साहित्यकारों को केवल समेटा ही नहीं बल्कि उन्हें एक दिशा भी दी है। उस काल की रचनाधर्मिता पर पाण्डेय जी के अनुज पंडित मुकुटधर पाण्डेय के विचार दृष्टव्य है- श्मुझे स्मरण होता है कि भाई साहब ने जब लिखना शुरू किया तब छत्तीसगढ़ में हिन्दी लिखने वालों की संख्या उंगली में गिनने लायक थीं। जिनमें रायगढ़ के पं. अनंतराम पाण्डेय, परसापाली के पं. मेदिनीप्रसाद पाण्डेय, शिवरीनारायण के ठाकुर जगमोहन सिंह, पं. मालिक राम भोगहा, हीराराम त्रिपाठी, धमतरी के कृष्णा नयनार, कवि बिसाहूराम आदि प्रमुख थे। छततीसगढ़ी व्याकरण लिखने वाले काव्योपाध्याय हीरालाल दिवंगत हो चुके थे। राजिम के पं. सुंदरलाल शर्मा की छत्तीसगढ़ी दानलीला नहीं लिखी गई थी। माधवराव सप्रे का पेंड्रा से निकलने वाला 'छत्तीसगढ़ मित्र' नामक मासिक पत्र बंद हो चुका था और वे नागपुर से 'हिन्द केसरी' नामक साप्ताहिक पत्र निकालने लगे थे। भाई साहब सप्रेजी को गुरूवत मानते थे। मालिक राम भोगहा से हमारे ज्येष्ठ भ्राता पं. पुरूषोत्तम प्रसाद पाण्डेय की मित्रता थी और वे नाव की सवारी से बालपुर आया करते थे। वे ठा. जगमोहन सिंह के शिष्य थे। उनकी भाषा अनुप्रासालंकारी होती थी। भाई साहब उन्हें अग्रज तुल्य मानते थे। प्रारंभ में भाई साहब की लेख्र शैली उनसे प्रभावित थी, उनका गद्य भी अनुप्रास से अलंकृत रहता था।

मैं कवि कैसा हुआ शीर्षक से लिखे लेख के प्रारंभ में लोचन प्रसाद जी लिखते हैं:-श्एक दिन शाम को मैं काम से आकर आराम से अपने धाम में बैठकर मन रूपी घोड़े की लगाम को थाम उसे दौड़ाता फिरता तथा मौज से हौज में गोता लगाता था कि मेरी कल्पना की दृष्टि में एकाएक कवि की छवि चमक उठी। यही उनकी लेखनी के प्रेरणास्त्रोत थे। हालांकि उन्होंने लेखन की शुरूवात काव्य से किया मगर बाद में वे इतिहास और पुरातत्व में भी लिखने लगे।

उनकी पहली रचना सन् 1904 में बालकृष्ण भट्ट के हिन्दी प्रदीप में प्रकाशित हुई। फिर उनकी रचनाएँ सन् 1920 तक विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रमुखता से प्रकाशित होती रही। इस बीच उनके करीब 48 पुस्तकें विभिन्न प्रकाशनों द्वारा प्रकाशित हुईं उनकी प्रथम काव्य संग्रह श्प्रवासीश् सन् 1907 में राजपूत एंग्लो इंडियन प्रेस आगरा से प्रकाशित हुई। यह पाण्डेय कुल से प्रकाशित होने वाला पहला काव्य संग्रह था। इसके पूर्व 1906 में उनका पहला हिन्दी उपन्यास श्दो मित्रश् लक्ष्मीनारायण प्रेस मुरादाबाद से प्रकाशित हो चुका था। इसी प्रकार खड़ी बोली में लिखी गई लघु कविताओं का संग्रह श्नीति कविताश् 1909 में मड़वाड़ी प्रेस नागपुर से प्रकाशित हुआ। नागरी प्रचारणी सभा बनारस ने इसे उत्तम प्रकाशित उपयोगी पुस्तक निरूपित किया। सन् 1910 में पांडेय जी ने ब्रज और खड़ी बोली के नये पुराने कवियों की रचनाओं का संकलन-संपादन करके श्कविता कुसुम मालाश् शीर्षक से प्रकाशित कराया। इससे उन्हें साहित्यिक प्रतिष्ठा मिली और उनकी गणना द्विवेदी युग के शीर्षस्थ रचनाकारों में होने लगी। तब वे 24-25 वर्ष के नवयुवक थे। फिर उनकी भक्ति उपहार, भक्ति पुष्पांजलि और बाल विनोद जैसी शिक्षाप्रद रचनाएँ छपीं। फिर उनके रचनाकाल का उत्कर्ष आया। सन् 1914 में माधव मंजरी, मेवाड गाथा, चरित माला और 1915 में पुष्पांजलि, पद्य पुष्पांजलि जैसी महत्वपूर्ण कृतियाँ प्रकाशित हुई।

20 वीं सदी के प्रारंभिक वर्षो में जब श्रीधर पाठक ने गोल्ड स्मिथ के डेजर्टेड विलेज का उजाड़ गॉवश् के नाम से अनुवाद किया था। उसी तर्ज में पाण्डेय जी ने भी श्ट्रेव्हलरश् की शैली में श्प्रवासीश् लिखा है। जो अनुवाद नहीं बल्कि मौलिक रचना है। इस संग्रह में छत्तीसगढ़ के ग्राम्य जीवन की झांकी देखने को मिलता है। श्कविता कुसुम मालाश् में ब्रज भाषा में पाण्डेय जी की कविताएँ संग्रहित हैं।

हिन्दी नाटक के विकास में पाण्डेय जी का अभूतपूर्व योगदान है। उन्होंने प्रेम प्रशंसा या गृहस्थ दशा दर्पण, साहित्य सेवा, छात्र दुर्दशा, ग्राम विवाह, विधान और उन्नति कहाँ से होगी, आदि नाटाकों की रचना की है। उन्होंने सन् 1905 में श्कलिकालश् नामक नाटक लिखकर छत्तीसगढ़ी भाषा में नाट्य लेखन की शुरूवात की। आचार्य रामेश्वर शुक्ल अंचल ने पाण्डे जी की गणना हिन्दी के मूर्धन्य निबंधकरों में की है। लेकिन आचार्य नंददुलारे बाजपेयी ने पाण्डेय जी को स्वच्छंदतावादी काव्य की पुरोधा मानते हुए लिखा है - श्लोचन प्रसाद पाण्डेय के काव्य में संस्कृत छंद और भाषा का अधिक स्पष्ट निदर्शन है। उनके काव्य में पौराणिकता की छाप भी है। इसमें संदेह नहीं कि उनकी कविता पर उड़िया और बांगला भाषा का स्पष्ट प्रभाव है। उनकी सारी रचनाएँ उपदेशोन्मुखी है।

महावीर प्रसाद द्विवेदी ने श्कविता कलापश् में पं. लोचन प्रसाद जी की रचनाओं को स्थान दिया है और श्री नाथूराम शंकर शर्मा, लोचन प्रसाद पाण्डेय, रामचरित उपाध्याय, मैथिलीशरण गुप्त और कामता प्रसाद गुरू को कवि श्रेष्ठ घोषित किया है।

पं. लोचन प्रसाद पाण्डेय को हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, उड़िया, बंग्ला, पाली, संस्कृत आदि अनेक भाषाओं का ज्ञान था। इन भाषाओं में उन्होंने रचनाएँ की है। उनकी साहित्यिक प्रतिभा से प्रभावित होकर बामुण्डा ;उड़िसाद्ध के नरेश द्वारा उन्हें काव्य विनोद की उपाधि सन् 1912 में प्रदान किया गया। प्रांतीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन गोंदिया में उन्हें श्रजत मंजूषा की उपाधि और मान पत्र प्रदान किया गया। पं. शुकलाल पाण्डेय छत्तीसगढ़ गौरव में उनके बारे में लिखते हैं -

यही पुरातत्वज्ञ-सुकवि तम मोचन लोचन
राघवेन्द्र से बसे यहीं इतिहास विलोचन ।

ऐसे बहुमुखी प्रतिभा के धनी पं. लोचन प्रसाद पांण्डेय जी का जन्म जांजगीर-चांपा जिलान्तर्गत महानदी के तटवर्ती ग्राम बालपुर के सुपरिचित पाण्डेय कुल में पौष शुक्ल दशमी विक्रम संवत 1943 तदनुसार 4 जनवरी सन् 1887 को पं. चिंतामणी पांडेय के चतुर्थ पुत्र रत्न के रूप में हुआ। वे आठ भाई सर्व श्री पुरूषोत्तम प्रसाद, पदमलोचन, चन्द्रशेखर, लोचन प्रसाद, विद्याधर, वंशीधर, मुरलीधर और मुकुटधर तथा चार बहन चंदन कुमारी, यज्ञ कुमारी, सूर्य कुमारी, और आनंद कुमारी थीं। उनकी माता देवहुति ममता की प्रतिमूर्ति थी। पितामह पंडित शालिगराम पांडेय धार्मिक अभिरूचि और साहित्य प्रेमी थे। उनके निजी संग्रह में अनेक धर्मिक और साहित्यिक पुस्तकें थी। आगे चलकर साहित्यिक पौत्रों ने प्रपितामही श्रीमती पार्वती देवी की स्मृति में पार्वती पुस्तकालय का रूप दिया। ऐसे धार्मिक और साहित्यिक वातावरण में वे पले-बढ़े। प्रारंभिक शिक्षा बालपुर के निजी पाठशाला में हुई। सन् 1902 में मिडिल स्कूल संबलपुर से पास किये और सन् 1905 में कलकत्ता वि0 वि0 से इंटर की परीक्षा पास करके बनारस गये जहाँ अनेक साहित्य मनीषियों से संपर्क हुआ। अपने जीवन काल में अनेक जगहों का भ्रमण किया। साहित्यिक गोष्ठियों, सम्मेलनों, कांग्रेस अधिवेशन, इतिहास-पुरातत्व खोजी अभियान में सदा तत्पर रहें। उनके खोज के कारण अनेक गढ, शिलालेख, ताम्रपत्र, गुफा प्रकाश में आ सके। सन् 1923 में उन्होंने छत्तीसगढ़ गौरव प्रचारक मंडली बनायी जो बाद में महाकौशल इतिहास परिषद कहलाया। उनका साहित्य इतिहास और पुरातत्व में समान अधिकार था। 08 नवम्बर सन् 1959 को वे स्वर्गारोहण किये। उन्हें हमारा शत् शत् नमन.. कमला के संपादक पं. जीवानन्द शर्मा के शब्दों में -

लोचन पथ में आय, भयो सुलोचन प्राण धम
अब लोचन अकुलाय, लखिबों लोचन लाल को।

तो क्या श्रापित है झारखंड में मुख्यमंत्री की कुर्सी?

कुणाल वर्मा

साल 2000 में बिहार से कटकर अलग राज्य का दर्जा प्राप्त करने वाले झारखंड में सियासत एक बार फिर करवट लेने को विवश दिख रही है। छोटा सा यह राज्य अपने शैशव काल से ही इस तरह की विवशता देखने का आदि हो चुका है। इस राज्य में मुख्यमंत्री की कुर्सी के साथ विवशता का विष हमेशा से ही हावी रहा है। विष का असर ऐसा कि कोई भी मुख्यमंत्री अपना कार्यकाल पूरा ही नहीं कर सका। रघुवर दास ने जब मुख्यमंत्री के तौर पर अपना पांच साल का कार्यकाल 2014 से 2019 तक पूरा किया तब लगा था कि इस कुर्सी से अपशगुन का साया हट गया है। पर एक बार फिर सियासी बयार इसी अपशगुन की तरफ इशारा कर रहे हैं कि झारखंड के मुख्यमंत्री की कुर्सी सही में शापित है। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अपशगुन का साया इस कदर हावी रहा है कि झारखंड के बड़े नेता माने जाने वाले शिबू सोरेन और अर्जुन मुंडा तीन-तीन बार मुख्यमंत्री बनने के बावजूद कभी पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। मुख्यमंत्री के तौर पर हेमंत सोरेन दूसरी बार झारखंड की कमान संभाल रहे हैं। पर श्राप ऐसा है कि पहली बार की तरह इस बार भी उनका कार्यकाल पूरा होने की संभावना कम दिख रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी का सात बार समन मिल चुका है। हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक हेमंत गुहार लगा चुके हैं। सभी जगह से निराशा हाथ लगने के बाद अब ईडी के संभावित सख्त कदम को देखते हुए हेमंत खुद ही बैकफुट पर नजर आ रहे हैं। जल्द ही वह ईडी के सामने पेश होंगे। यह आशंका बलवति है कि उन्हें देर सबेर गिरफ्तार भी किया जा सकता है। ऐसे में हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री की कुर्सी अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को देने का मन बना चुके हैं। प्लॉट भी तैयार हो चुका है। बस इस पर मुहर शेष है। हेमंत सोरेन ने 29 दिसंबर को अपनी सरकार की चौथी सालगिरह मनाई थी। यह चौथी सालगिरह हालांकि उनके लिए एक तरह से रिकॉर्ड ही बनाकर गई है। वह प्रदेश के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री बन चुके हैं जिन्होंने लगातार चार साल मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली है। पर पांचवें सालगिरह का शगुन उन्हें मिल पाता है या नहीं इस पर सभी की नजर बनी हुई है। हालांकि बुधवार तीन जनवरी को रांची में सत्ताधारी गठबंधन के विधायक दल की बैठक के बाद फिलहाल इस कयास पर विराम लग गया है। इस बैठक में तय हुआ कि नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री हैं और रहेंगे। उधर, तीन जनवरी को ही ईडी की टीम ने मुख्यमंत्री के करीबियों पर शिंकजा कसते हुए छापेमारी करते हुए स्पष्ट संदेश दे दिया है कि आने वाले कुछ दिनों में बहुत कुछ हो सकता है। इससे पहले साल 2023 के अंतिम दिन पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. सरफराज अहमद %पार्टी हित% में अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को सौंप चुके हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार भी हो चुका है। वे गिरिडीह जिले के गांडेय सीट से विधायक थे। कयास लग रहे हैं कि उसी सीट से पार्टी कल्पना सोरेन को उपचुनाव में खड़ा करेगी। बुधवार को ही बैठक के साथ-साथ ईडी ने भी अपने तेवर दिखा दिए हैं। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि क्या झारखंड के मुख्यमंत्री की कुर्सी अपने श्राप से मुक्त हो पाएगी? या एक बार फिर वर्तमान मुख्यमंत्री अपना कार्यकाल पूरा किए बिना रुख्सत हो जाएंगे।

आडवाणी से राहुल तक, भारतीय राजनीति को बदलने वाली यात्राएं

अभिनय आकाश

हमारी राजनीति में यात्राएं जनसमर्थन हासिल करने का सटिक मंत्र रही है। देश में गौतमबुद्ध, शंकराचार्य, गुरुनानक से लेकर महात्मा गांधी और विनोबा भावे तक की पदयात्रा का अपना स्वर्णिम इतिहास रहा है। महात्मा गांधी जब चला करते थे तो लोग जुड़ते चले जाते थे। वो कारवां इतना बड़ा हुआ करता था कि परिवर्तन की दिशा इस देश को आजादी में ले गई। हम सब जानते हैं कि राजनीतिक तौर पर सबसे पहली पदयात्रा महात्मा गांधी के नेतृत्व में हुई दांडी मार्च है। जिससे न सिर्फ बॉम्बे सॉल्ट एक्ट की धारा 39 खत्म हुई बल्कि नमक बनाने पर जेल और भारी जुर्माना लगाने का कानून भी खत्म हुआ। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अगले साल 14 जनवरी से 30 मार्च के बीच मणिपुर से महाराष्ट्र तक राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा की घोषणा की है। राहुल गांधी जैसी पदयात्राएं देश में पहले भी हुईं हैं। चाहे वो उनकी दादी इंदिरा गांधी के द्वारा की गई हो या फिर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की तरफ से निकाली गई एकता यात्रा हो। यात्राओँ के उस सिलसिले में इतिहास के पन्नों को खोलते हुए आज आपको देश की अहम सियासी यात्राओं के बारे में बताएंगे।

1972 से 1982 के बीच आंध्र प्रदेश में दो विधानसभा चुनाव हुए। इस दौरान पांच बार मुख्यमंत्री बदले और एक बार राष्ट्रपति शासन लगा। जनता एक मजबूत और स्थिर सरकार चाहती है। राजनीति में एंट्री होती है तमिल सुपरस्टार एनटी रामाराव की और उन्होंने तेलगू देशम पार्टी बनाई। हैदराबाद से शुरू कर पूरे आंध्र प्रदेश में 75000 किलोमीटर की चैतम्य रथमयात्रा की। एनटी रामाराव ने इस दौरान चार बार पूरे राज्य का चक्कर लगाया। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में उनका नाम शुमार है। फिल्मी अंदाज में चारों ओर घूमने वाली फ्लड लाइट्स, माइक और स्पीकर के बीच जब एनटीआर भगवा पहनकर चैतन्य रथम के बीचों बीच से निकलकर वैन के ऊपर आते थे तो आंध्र मुग्ध हो जाता था। एनटीआर रोज करीब डेढ़ सौ किलोमीटर सफर करते। खेतों में काम कर रहे लोगों से मिलते। रैलियों करते। एक दिन में सौ-सौ जगह रुकते। रथ ही उनका प्रचार, घर, मंच सबकुछ

था। एनटीआर का इतना क्रेज था कि लोग 72-72 घंटे उनका इंतजार करते। एनटीआर जब आते तो महिलाएं उनकी आरती उतारती।

एक यात्रा आज से 39 साल पहले एक नेता ने की थी जिसे इंदिरा गांधी का युवा तुर्क कहा जाता था। उसने भी बिखरती पार्टी और कार्यकर्ताओँ में जोश भरने के लिए भारत एकता यात्रा की थी। जिसके बाद वो आगे चलकर देश का प्रधानमंत्री बना। चंद्रशेखर ने 6 जून 1983 को कन्याकुमारी के विवेकानंद स्मारक से भारत यात्रा की शुरुआत की। गुलाम भारत में जैसे गांधी ने पदयात्राओं के जरिये भारत की थाह लिए उसी तरह आजाद भारत की समस्याओं को चंद्रशेखर ने अपने पैरों से नापने की कोशिश की थी। जब चंद्रशेखर साल 1983 में तमिलानडु के एक गांव से गुजर रहे थे तो वहां पगडंडी पर एक बुजुर्ग महिला लालटेन लेकर खड़ी थी। गांव की एक बुजुर्ग महिला ने पूछा- पानी कब मिलेगा? पीने का पानी गांव में आता नहीं है। चंद्रशेखर ने कहा कि दिल्ली जाकर कहूंगा। जब संसद में वो भाषण देने के लिए खड़े हुए तो उन्होंने 6 चीजें ही बताई- रोटी, कपड़ा, मकान, पढ़ाई, दवाई और पानी। चंद्रशेखर ने संसद में कहा कि सरकारें चाहे जो आंकड़े पेश कर लें लेकिन देश की अधिकाशं आबादी आज भी इन बुनियादी चीजों से महरूम है। गांव की पगडंडियों और कस्बों से होते हुए करीब 3700 किलोमीटर की ये पद यात्रा 25 जून 1984 को दिल्ली के राजघाट पर समाप्त हुई। चंद्रशेखर ने भारत यात्रा की शुरुआत 3500 रुपए से की थी। इस दौरान खर्च यात्रा में शामिल लोग उठाते थे। वीपी सिंह की सरकार गिरने के बाद कांग्रेस ने चंद्रशेखर को पीएम पद के लिए समर्थन किया और 10 नवंबर 1990 को वो प्रधानमंत्री बने।

25 सितंबर 1990 को तत्कालीन बीजेपी अध्यक्ष लाल कृष्ण आडवाणी ने रामरथ यात्रा शुरू की। जिसका उद्देश्य सोमनाथ से अयोध्या तक रथ के जरिए जाना था। टोयोटा मिनी बस को रथ का रूप दिया गया। गुजरात, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश में दंगे हो गए। रथयात्रा जब समस्तीपुर पहुंतो तो आडवाणी को लालू यादव ने गिरफ्तार करवा दिया। रथ यात्रा ने बीजेपी की सीटें 1991 के चुनाव में 85 से बढ़ाकर 120 तक पहुंचा दी।

2024 लोकसभा चुनाव में अपनी जमीनी पकड़ मजबूत करने के लिए कांग्रेस ने फिर से जमीनी यात्रा की योजना बनाई है। इसके तहत कांग्रेस अपने पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में भारत न्याय यात्रा शुरू करने जा रही है। बीते साल राहुल गांधी यात्रा पर निकले थे तब से ये कयास लगाए जा रहे थे कि वो आने वाले दिनों में एक और यात्रा निकाल सकते हैं। 27 दिसंबर को इस यात्रा का भी रूट फाइनल हो गया। इस यात्रा का नाम भारत न्याय यात्रा होगा। मणिपुर के इंफाल से इसकी शुरुआत होगी। पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। 20 मार्च को यात्रा का समापन मुंबई में होगा। कांग्रेस की योजना है कि लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले यानी आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले इस यात्रा को पूरा कर लिया जाए। यात्रा को उनकी भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण माना जा रहा है, जो उन्होंने 2022 के अंत से इस साल की शुरुआत तक की थी। ये अंतर यात्रा के स्वरूप से लेकर थीम तक में है। पहले चरण में भारत जोड़ने की बात कही गई थी इसमें न्याय की बात है।

14 राज्यों और 85 जिलों से होकर ये यात्रा गुजरेगी। मणिपुर से इसकी शुरुआत होगी, नागालैंड, असम, मेघालय होते हुए पश्चिम बंगाल में आएगी। फिर बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और फिर राजस्थान होते हुए गुजरात पहुंचेगी। फिर महाराष्ट्र में इसका आखिरी पड़ाव होगा। यह पूरी यात्रा लगभग 55 दिन की होगी, जिसमें रोज लगभग 120 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। लगभग रोज एक बड़ी सभा होगी और हर दिन लगभग पांच से सात किमी पैदल यात्रा चलेगी।

लोकसभा चुनावों में भी प्रधानमंत्री मोदी-शाह करेंगे नए चेहरों का प्रयोग

समीर चौगांवकर

नये साल पर राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में नए मुख्यमंत्री और उनके साथ प्रदेश की नई कैबिनेट ने आकार ले लिया है। इन तीन राज्यों में सिर्फ भाजपा की नई सरकार का गठन ही नहीं हुआ है, बल्कि राजनीति की पूरी पीढ़ी बदल दी गई है। देखा जाए तो यह मोदी की शैली के अनुरूप ही है कि असली आश्चर्य चुनावों के दौरान नहीं, उनके बाद आते है। मोदी और शाह की राजनीति में स्थापित सियासतदानों का एक पूरा तबका अपना मूल्य गंवा बैठा है।

मोदी और शाह ने टकसाल से सीधे ढलकर आए नए चेहरों की राजनीतिक खेप को शीर्ष पदों पर बैठा दिया है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सिर्फ मुख्यमंत्री ही नहीं कैबिनेट में भी ऐसे लोगों को शामिल किया गया है जो गुमनामी से निकलकर सामने आये हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल खुद पहली बार के विधायक हैं। भजनलाल की टीम में 22 मंत्री में से 17 नए चेहरे हैं। दोनो उपमुख्यमंत्री भी दूसरी बार के विधायक है। राजस्थान की बात करें तो भजनलाल मंत्रिमंडल में 12 कैबिनेट मंत्रियों में 9, स्वतंत्र प्रभार वाले 5 राज्य मंत्रियों में 4 और राज्य मंत्री बनाए गए 5 मंत्रियों में से चार पहली बार मंत्री बने है। अगर मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्रीयों को मिला लिया जाए तो 25 में से 20 पहली बार के मंत्री है।

राजस्थान में मुख्यमंत्री चयन से लेकर कैबिनेट चुनने तक केन्द्रीय नेतृत्व ने साफ संकेत दे दिए हैं कि वसुंधरा की सलाह कहीं नहीं ली गई। वसुंधरा के खास कालीचरण सर्राफ, श्रीचंद कृपलानी जैसे उनके कट्टर समर्थकों को सरकार से बाहर रखा गया है। अब यह भी तय है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में राजस्थान में टिकट वितरण भी केन्द्रीय नेतृत्व तय करेगा। उसमें वसुंधरा राजे या राजस्थान के किसी अन्य नेता का कोई योगदान नहीं होगा। मध्य प्रदेश के साथ साथ राजस्थान को लेकर भी हाईकमान ने साफ संदेश दे दिया है कि अनुभव पद की गारंटी नहीं है। राजस्थान में 8वीं बार के विधायक व मंत्री रहे कालीचरण सर्राफ, 7वीं बार के विधायक व मंत्री प्रताप सिंह सिंघवी, दो बार के सांसद और चौथी बार के विधायक श्रीचंद कृपलानी, सिद्धि कुमारी जैसे दिग्गज मंत्री नहीं बन पाए। ऐसा माना जा रहा था कि जिन इलाकों में पार्टी का बुरा प्रदर्शन रहा है वहां से मंत्री बनाकर लोकसभा को साधने की कोशिश की जाएगी लेकिन ऐसा भी हुआ नहीं।

शेखावटी में भाजपा का खराब प्रदर्शन रहने के बाद भी सिर्फ एक मंत्री झाबर सिंह खर्रा को बनाया गया है। हनुमानगढ़ श्रीगंगानगर से सिर्फ एक सुरेन्द्र पाल सिंह टीटी को मौका दिया गया। इसके अलावा बांसवाड़ा, बारां, भीलवाड़ा, डूंगरपुर, झालावाड़, राजसमंद और जालौर जिले से भी किसी को मंत्री नही बनाया गया है। जातिगत समीकरण को देखे तो जाट समाज से 4, जट सिख 1, एससी और एसटी के तीन तीन, राजपूत समाज के तीन, ब्राम्हण समाज के सीएम सहित 2, अति दलित समाज के 2 मंत्रियों को भी जगह दी गई है। इसके अलावा ओबीसी के 6 चेहरे भी शामिल हैं।

मध्य प्रदेश में मंत्रिमंडल गठन में भी जातिगत समीकरणों का केन्द्रीय नेतृत्व ने पूरा ध्यान रखा था। मध्य प्रदेश में राहुल गांधी के ओबीसी मुद्दे का जवाब

देते हुए भाजपा हाईकमान ने मुख्यमंत्री मिलाकर 13 ओबीसी मंत्री, 5 दलित, 5 आदिवासी और 8 सवर्ण को जगह दी है। मध्य प्रदेश में भी पहली बार विधायक बने 7 चेहरों को भी मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। पहली बार मंत्री बनने वाले मध्य प्रदेश में 17 विधायक हैं। मध्य प्रदेश में हर तीसरा मंत्री ओबीसी है। मध्यप्रदेश में भाजपा की जीत के 22 दिन बाद और मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण के 12 दिन बाद बने मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी 16 फीसदी है। मतलब 5 महिलाओं को कैबिनेट में जगह दी गई है।

लोकसभा की दृष्टि से देखा जाए तो मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से 23 सीटों के विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। यह कहा जा सकता है कि मध्य प्रदेश में प्रदेश के 52 जिलों में से 26 जिलों को प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका है। जिन जिलों को छोड़ा गया है उसमें गुना, बालाघाट, छिंदवाड़ा, धार, खरगोन और खंडवा के अतंर्गत आने वाली 6 लोकसभा सीटों को प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका। राजस्थान के मंत्रिमंडल को देखें तो राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों में से 18 सीटों को ही राज्य मंत्रिमड़ल में प्रतिनिधित्व मिला है। 7 लोकसभा सीटों से किसी को भी मंत्री नहीं बनाया गया है। बारां, झालावाड़, दौसा, बांसवाड़ा, डुंगरपुर, करौली, धौलपुर, चुरू, झुंझुनूं और भीलवाडा लोकसभा क्षेत्र से कोई मंत्री नहीं है। मोदी और शाह ने दोनों राज्यों के स्थापित नेताओं को साफ संदेश दे दिया है कि भाजपा पुरानी पीढ़ी और तपे तपाए नेताओं से बाहर निकल रही है। अब सभी राज्यों में और 2024 में केन्द्र में बनने वाली मोदी सरकार में वरिष्ठ नेताओं को नए नेताओं के लिए जगह खाली करने के लिए तैयार रहना होगा। भाजपा संगठन के एक राष्टीय पदाधिकारी और संघ के बड़े नेता का कहना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में वर्तमान सासंदो में से 40 प्रतिशत सांसदों के टिकट कटना लगभग तय है।

भाजपा के 17 मौजूदा सांसद 75 बरस पार हैं और 42 सांसद 70 बरस से ऊपर की उम्र के हो चुके हैं। पार्टी का मानना है कि कई कार्यकालों के बाद लोकप्रिय और लब्ध प्रतिष्ठित सांसदों के मामले में भी थकान का एक पहलू विकसित हो जाता है इसलिए बदलाव ही हकीकत है। तीन राज्यों में विधानसभा चुनावों की जीत से पार्टी का यह भरोया पुख्ता हुआ है कि ये बदलाव कारगर हैं और पार्टी के भले के लिए है। तजुर्बे और चुनावी हारों ने बीजेपी को समझाया है कि जातिगत समीकरणों का ध्यान रखना और अधबीच सुधार करना व्यावहारिक राजनीति की अहम कवायद है। जो पैटर्न मध्य प्रदेश,राजस्थान और छत्तीसगढ़ में टिकट बंटवारे के साथ सरकार गठन में दिखा, लगभग वैसा ही पैटर्न 2024 के लोकसभा चुनाव के टिकट बंटवारे ओर मोदी सरकार के गठन में दिखेगा। इस बात की पूरी संभावना है कि लगातार चार बार सांसद रहे नेताओं का टिकट कटना तय है। तीन बार के सांसदों में से 50 प्रतिशत सांसदों के टिकट काटे जाएंगे और दूसरी बार के सांसदों में से 30 प्रतिशत के टिकट काटने का मन पार्टी हाईकमान ने बनाया है।

मोदी शाह लोकसभा चुनाव में टिकट से वंचित होनेवाले वरिष्ठ सांसदों को उनके गृह प्रदेश में संगठन में सक्रिय कर सकते हैं। प्रदेश के बड़े नेताओं को दिल्ली लाने की रणनीति भी बन रही है। इसमें शिवराज सिंह चौहान, वसुंधरा राजे सिंधिया, रमन सिंह के साथ साथ कई ऐसे चौंकाने वाले नाम भी हो सकते हैं जो वर्तमान में प्रदेश के संगठन या प्रदेश की सरकार में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और शाह के मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को लेकर लिए गए निर्णय बताते है कि अब केन्द्र और राज्य में राजनेताओं की पूरी पीढ़ी बदलने का पार्टी ने मन बना लिया है। तपे तपाए और आजमाए हुए नेताओं को किनारे करके नये लोगों पर दांव लगाया जाएगा। यही आम चुनाव के लिए चौतरफा मोदी शाह के दबदबे की पटकथा है।

आंखों के नीचे काले घेरे खराब लग रहे तो लगाएं ये अंडर आई पैक, दूर होंगे डार्क सर्कल

आंखों के नीचे काले घेरे दिखने में काफी खराब लगते हैं। इन काले घेरों का कारण कभी पोषक तत्वों की कमी होती है। तो कई बार थकान की वजह से भी काले घेरे नजर आने लगते हैं। वहीं कई बार ठीक से नींद ना पूरी होना भी काले घेरों को बढ़ाता है। अगर थकान और लगातार काम करने की वजह से नींद पूरी नहीं हो रही और आंखों के नीचे काले घेरे हो गए हैं तो इस अंडर आई पैक को लगाएं। जो इन काले घेरों को दूर करने में मदद करेगा।

ठीक से नींद ना पूरी होना भी काले घेरों को बढ़ाता है। अगर थकान और लगातार काम करने की वजह से नींद पूरी नहीं हो रही और आंखों के नीचे काले घेरे हो गए हैं तो इस अंडर आई पैक को लगाएं।

आंखों की थकान दूर करने के लिए करें ये काम

आंखों के नीचे काले घेरे की वजह थकान और नींद पूरी ना होना है तो इसके लिए गुलाबजल का इस्तेमाल करें। गुलाबजल को किसी कटोरी में निकाल लें। फिर इसमे कॉटन पैड को भिगोएं और फिर आंखों पर रखकर लेट जाएं। करीब 5 मिनट तक ऐसे ही दोनों हाथों पर रखें। रोजाना इसे लगाने से कुछ दिनों में आंखों की थकान दूर होगी और फेशनेस नजर आएगी।

डार्क सर्कल के लिए बनाएं अंडर आई पैक

डार्क सर्कल पर लगाने के लिए अंडर आई पैक बनाते समय इन चीजों को मिलाएं।
एक विटामिन ईकैप्सूल, दो चुटकी हल्दी, एक चम्मच गुलाब जल, एक चम्मच आलू का रस

किसी कांच के बाउल में इन सारी चीजों को मिलाकर तैयार कर लें। फिर आंखों के नीचे इस पैक को लगाकर करीब 20 मिनट के लिए छोड़ दें। 20 मिनट बाद आंखों को ठंडे पानी से धो लें। सप्ताह में दो से तीन दिन इस पैक को लगाने से कुछ दिनों में ही फर्क दिखने लगेगा।

आपकी ये 5 गलत आदतें बना सकती हैं होठों को काला

गुलाबी होठों का रंग बदल कर काला बदरंग नजर आने लगता है। अगर आपको भी लगता है कि आपके बदले हुए होठों के रंग के पीछे भी यह वजह हो सकती है तो टेंशन छोड़ कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप दोबारा अपने होठों को खूबसूरत और गुलाबी बना सकते हैं। आइए

चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में गुलाबी होंठ अहम भूमिका निभाते हैं। लेकिन यह खूबसूरती उस समय फीकी पड़ने लगती है,जब अनजाने में लोग कुछ ब्यूटी मिस्टेक कर बैठते हैं। जिसकी वजह से गुलाबी होठों का रंग बदल कर काला बदरंग नजर आने लगता है। अगर आपको भी लगता है कि आपके बदले हुए होठों के रंग के पीछे भी यह वजह हो सकती है तो टेंशन छोड़ कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप दोबारा अपने होठों को खूबसूरत और गुलाबी बना सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

मॉश्चराइजर यूज ना करना-

अक्सर सूखे फटे हुए होंठों की वजह से भी लिप्स के नेचुरल कलर में बदलाव देखने को मिल सकता है। ऐसे में अपने होठों के नेचुरल गुलाबी रंग के साथ उन्हें हेल्दी बनाएं रखने के लिए आप होंठों को ज्यादा से ज्यादा हाइड्रेड रखने की कोशिश करें। इसके लिए होंठों पर शीया बटर और कोकोआ बटर जैसे पोषक तत्वों से भरपूर लिप बाम भी लगाएं।

डेड स्किन-

कई बार होंठों के आसपास जमा डेड स्किन की वजह से भी होंठ काले नजर आने लगते हैं। इसलिए डेली रुटीन में अपने सूखे और फटे हुए होंठों को स्क्रब करके मृत कोशिकाओं को हटाकर चेहरे और होंठों को ग्लोइंग बनाएं।

पौष्टिक आहार की कमी-

होंठों का गुलाबी रंग बनाए रखने में विटामिन सी की अहम भूमिका होती है। अगर आपके आहार में विटामिन सी की कमी है तो आपके होंठ गहरे रंग के होने लगेंगे। डाइट में विटामिन सी शामिल करने के लिए फ्रेश फ्रूट्स और सब?जियां शामिल करें। इसके अलावा पानी का सेवन पर्याप्त मात्रा में करें।

धूम्रपान-

सिगरेट में मौजूद निकोटीन की वजह से भी होंठ का रंग काला पड़ने लगता है। होंठों का गुलाबी रंग बनाए रखने के लिए आप स्मोकिंग जैसी आदतों को छोड़ दें।

पलकों और आईब्रो को नेचुरली ग्रो करने में मदद करेगा ये सीरम

घर पर इस तरह करें तैयार

फैशन ट्रेंड्स अक्सर बदलते रहते हैं। कभी लोग लंबे बाल पसंद करते हैं तो कभी शॉर्ट हेयर लुक चर्चा में होता है। ऐसे ही बीते समय में पतली आईब्रो को खूब पसंद किया जाता था। लेकिन अब घनी और मेटी आईब्रो को पसंद किया जाता है। लुक में घनी आईब्रो और आईलैश पाने के लिए लोग आईब्रो पेंसिल और मस्कारे का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अगर आप नैचुरल तरीके से घनी पलके और आइब्रो पाना चाहते हैं तो होममेड सीरम का इस्तेमाल करें। जी हां, आप घर पर आईब्रो सीरम बना सकती हैं, जिसे लगाने से आपको हफ्ते भर में असर दिखने लगेगा। इस सीरम को बनाने के लिए आपको केवल कुछ ही चीजों की जरूरत होती है। जानिए सीरम बनाने का तरीका-

सीरम बनाने के लिए आपको चाहिए-

गर्म पानी, लौंग, मेथी दाना, नारियल का तेल , कैस्टर ऑयल, विटामिन ई कैप्सूल, कंटेनर, कैसे बनाएं

इसे बनाने के लिए गर्म पानी में लौंग और मेथी दाना मिलाएं। इसे 15 मिनट के लिए भिगोकर रखें। फिर इसमें से मेथी दाना और लौंग को अलग निकाल दें औ इस पानी में फिर विटामिन ई कैप्सूल और कैस्टर ऑयल डालें। इसे अच्छे से मिक्स करें। फिर इसमें नारियल का तेल मिक्स करें। अच्छे से मिक्स करने के बाद इसे कंटेनर में डालें और फिर पलकों और आईब्रो पर लगाएं।

स्वेटर-ब्लेजर कुछ नहीं, विंटर वेडिंग में गॉर्जियस दिखाएंगे ये ब्युटीफुल ब्लाउज डिजाइन

कड़ाके की सर्दी पड़ रही है और साथ ही शादियों का सीजन भी चल रहा है। ऐसे में सबसे ज्यादा मुसीबत महिलाओं की होती है क्योंकि उन्हें खूबसूरत भी दिखना होता है लेकिन स्वेटर और ब्लेजर एथिनिक कपड़ों के साथ परफेक्ट तरीके से मैच नहीं कर पाते। ऐसे में क्या करें कि ठंड भी ना लगे और खूबसूरती में भी कमी ना आए। इस काम को हल्का करेंगे ब्यूटीफुल डिजाइन के ब्लाउज। जिसे पहनकर आप ठंड से भी बच सकती है और गॉर्जियस भी नजर आ सकती हैं। इन ब्लाउज डिजाइन को कैरी करने के लिए एक्ट्रेसेज के लुक से जरूर टिप्स ले सकती हैं।

हैवी एंब्रायडरी ब्लाउज

अगर आप अपनी खूबसूरत सी साड़ी का लुक स्वेटर या ब्लेजर की वजह से खराब नहीं करना चाहती हैं तो हैवी एंब्रायडरी वाले ब्लाउज को चुनें। इन

ब्लाउज में लाइनिंग के लिए सैटिन या मोटे ऊनी फैब्रिक के कपड़े को लगवाएं। इससे आप ठंड से भी बची रहेंगी और गॉर्जियस लुक में कमी भी नहीं आएगी।

ऐसे में क्या करें कि ठंड भी ना लगे और खूबसूरती में भी कमी ना आए। इस काम को हल्का करेंगे ब्यूटीफुल डिजाइन के ब्लाउज। जिसे पहनकर आप ठंड से भी बच सकती है और गॉर्जियस भी नजर आ सकती हैं।

राउंड नेकलाइन

फुल स्लीव के साथ ही नेकलाइन को राउंड रखें। इससे आप ठंड से भी बची रहेंगी और करीना कपूर की तरह स्टाइल करके परफेक्ट भी नजर आएंगी।

ब्लेजर डिजाइन के ब्लाउज

आप चाहें तो साड़ी के अलावा मैचिंग के कपड़े को लेकर क्रॉप डिजाइन के ब्लेजर स्टाइल ब्लाउज को सिलवा सकती हैं। ये सिल्क की साड़ी के साथ स्टाइलिश लुक देंगे। साथ ही सर्दी से भी बचाने में मदद करेंगे।

प्लेन फुल स्लीव ब्लाउज

दीपिका पादुकोण का लुक देख लेंगी तो समझ जाएंगी कि प्लेन फुल स्लीव ब्लाउज पहनकर भी गॉर्जियस दिखा जा सकता है। बस साड़ी का सेलेक्शन और स्टाइल परफेक्ट तरीके से किया गया हो। फिर सिल्क की साड़ी हो या फिर केवल बॉर्डर पर एंब्रायडरी वाली साड़ी, दोनों में ही परफेक्ट और खूबसूरत लुक मिलेगा। तो देर किस बात कि अपने लिए इस शादियों के सीजन में इस डिजाइन के ब्लाउज बनवाकर परफेक्ट लुक पाया जा सकता है।

सिर पर उगे दो-चार सफेद बालों को छिपाना है तो केमिकल नहीं ये घरेलू नुस्खा आएगा काम

सफेद बालों का होना आम बात है आजकल। कई बार तो एक-दो बालों को छिपाने के चक्कर में लोग केमिकल वाले हेयर कलर लगा लेते हैं और नतीजा उनके काफी सारे बाल सफेद होना शुरू हो जाते हैं। साथ ही टाइम और पैसे भी बर्बाद होते हैं। अगर आपके क्राउन एरिया पर कुछ ही बाल सफेद दिख रहे हैं और आप उन्हें छिपाना चाहती हैं तो केमिकल वाले कलर की बजाय इस घरेलू नुस्खे को आजमाएं। ये न केवल बालों को नुकसान से बचाएगा बल्कि स्मार्टली सफेद बालों को छिपा देगा। तो चलिए जानें कौन सा है वो घरेलू नुस्खा।

सिर के सफेद बालों को छिपाने का घरेलू नुस्खा

सिर पर अगर मुश्किल से कुछ ही बाल सफेद दिख रहे हैं और आप कलर नहीं लगाना चाहती हैं तो इस केमिकल फ्री कलर को लगाकर छोड़ दें। देखें कैसे सफेद बाल आसानी से छिप जाएंगे और आपके बाकी बालों को भी कोई नुकसान नहीं होगा। जानें कैसे बनाएं केमिकल फ्री कलर।

10-12 बादाम
25 ग्राम रूई
एलोवेरा जेल एक चम्मच

केमिकल फ्री हेयर कलर बनाने का तरीका

- सबसे पहले बादाम को कूट कर रख लें या फिर ग्राइंडर में दरदरा पीस लें।
- फिर इस बादाम को रूई की मोटी परत बिछाकर उसके ऊपर रखें और रूई को रोल करके बाती बना लें।
- अब इस बाती को सरसों के तेल में डुबोएं और जला दें। इस जलती बाती के ऊपर प्लेट रख दें। जिससे कि आग से प्लेट पर कालिख जम जाए। ये कालिख ही आपका नेचुरल हेयर कलर है।
- इस काले जमा पाउडर को किसी साफ शीशी में भरकर रख लें।
- स्मूद पेस्ट बनाने के लिए इस कालिख को छन्नी की मदद से छान लें। जिससे कि दरदरा पार्ट निकल जाए।
- जब भी जरूरत हो एक चम्मच एलोवेरा जेल में मिक्स कर पेस्ट तैयार करें।
- बस ब्रश की मदद से सफेद बालों पर और उसके आसपास के हिस्से पर अच्छी तरह से लगाकर छोड़ दें। -जब ये सूख जाए तो कंघी कर दें। इंस्टेंट नेचुरल हेयर कलर तैयार है। ये बालों को बिना नुकसान पहुंचाते ही काला करने में मदद करेगा। और आपको मात्र कुछ बालों के लिए पूरे बालों में कलर या मेहंदी लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

हाथों की शोभा बढ़ाते हैं चूड़ी के ये डिजाइन शादी में पहनने के लिए ऐसे बनाएं सेट

एथनिक वियर कैरी करने के बाद बेहद खूबसूरत दिखता है। हालांकि, अगर ट्रेडिशनल लुक को कम्पलीट करने के लिए कुछ चीजों को ध्यान में रखना होता है। इस लुक को पूरा करने के लिए हाथों में चूड़ियों को पहनना जरूरी है। 23 नवंबर से शादियों का सीजन शुरू होने वाला है। मार्केट में चूड़ियों के कई डिजाइन मिलते हैं। लुक को आकर्षक बनाने के लिए आपको अपने लुक के हिसाब से चूड़ी सेट करके डिजाइन बनाने होंगे। यहां जानिए शादी के सीजन में कैसे बनाएं चूड़ियों का सेट।

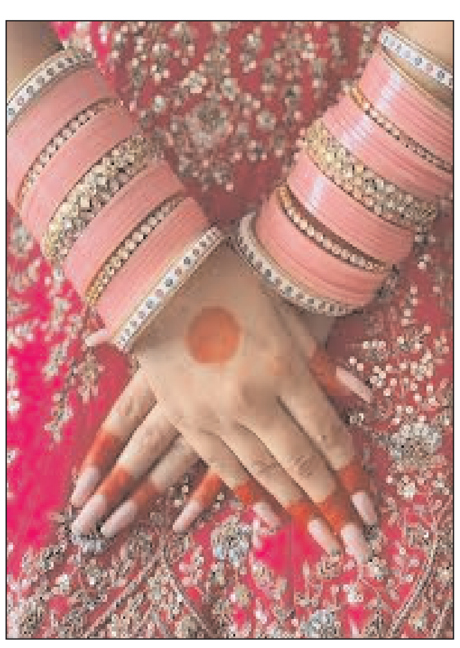

एलिगेंट दिखता है पर्ल डिजाइन

नेकलेस हो या फिर चूड़ी पर्ल डिजाइन काफी अच्छे लगती हैं। ये दिखने में काफी सुंदर है। ब्राइट रंगों की चूड़ियों के साथ पर्ल डिजाइन कैरी कर सकते हैं। पर्ल वाले कंगन के साथ-साथ आप आउटफिट से मैचिंग चूड़ियों को भी पहन सकती हैं।

ट्रेंड में हैं वेलवेट वाली चूड़ी

सुंदर लुक के लिए आप वेलवेट वाली चूड़ियों को पहन सकती हैं। ये आपके लुक में चार चांद लगाने में मदद करेंगी। इस तरह के डिजाइन के साथ आप चौड़े कंगन को पहन सकती हैं।

सुंदर दिखती हैं लटकन वाली चूड़ी

ब्राइडल सेट हो या फिर ब्राइड्स मेड का सेट हो, लटकन डिजाइन वाली चूड़ियां काफी सुंदर दिखती हैं। इस तरह की चूड़ियां अलग-अलग डिजाइन में मिल जाएंगी। वहीं इस तरह के डिजाइन के साथ आप आउटफिट की मैचिंग की चूड़ी पहन सकते हैं।

राजस्थानी कंगन देंगे रॉयल लुक

पैटर्न में उठे हुए कंगन आपको रॉयल लुक देने में मदद करते हैं। इनके साथ आप अपने मैचिंग बैंगल्स को मिला सकते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

बंगाल में कांग्रेस को 2 सीट देना चाहती है टीएमसी

कोलकाता। 28 विपक्षी दलों की गठबंधन इंडिया में खींचतान कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इंडिया गठबंधन में लोकसभा सीट बंटवारे को लेकर तकरार साफ तौर पर दिखाई दे रही है। सूत्रों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस के समक्ष दो सीटों पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा है। इसके बाद से कांग्रेस ममता बनर्जी की पार्टी पर हमलावर हो गई है। ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि पता नहीं किसने ममता से भीख मांगी है। हमने तो ममता बनर्जी से कोई भीख नहीं मांगी है। ममता खुद ही कह रही हैं कि वह गठबंधन चाहती है। हमें ममता की कोई जरूरत नहीं है। हम अपने दम पर चुनाव लड़ सकते हैं। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ममता बनर्जी गठबंधन नहीं चाहती है वह तो मोदी की सेवा में लगी हुई है। आपको बता दें कि इंडिया गठबंधन में न सिर्फ पश्चिम बंगाल बल्कि बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली जैसे राज्यों में भी सीट बंटवारे को लेकर तकरार देखने को मिल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट से कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को झटका

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में उनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के इनकार को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि वह उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने को इच्छुक नहीं है। पीठ ने कहा कि माफ करें, हम इच्छुक नहीं हैं। पिछले साल 17 अगस्त को उच्च न्यायालय ने खेड़ा की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि मामले के जांच अधिकारी द्वारा एकत्र किए गए सबूतों का मूल्यांकन मामले को रद्द करने के लिए आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 482 के तहत दायर याचिका में नहीं किया जा सकता है। पिछले साल 20 मार्च को, शीर्ष अदालत ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए असम और उत्तर प्रदेश में खेड़ा के खिलाफ दर्ज तीन एफआईआर को जोड़ दिया था।

ईडी भेज सकती है अरविंद केजरीवाल को चौथा समन

नईदिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा एजेंसी के सामने पेश होने से इनकार करने के संबंध में भेजे गए जवाब की समीक्षा कर रहा है और कथित आबकारी नीति मामले की जांच में शामिल होने के लिए उन्हें चौथा समन जारी कर सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ईडी की ओर जारी समन पर बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्टीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उसके सामने पेश होने से इनकार कर दिया था और यह भी कहा था कि एजेंसी का दृष्टिकोण कानून, समानता या न्याय की कसौटी पर खरा नहीं उतर सकता है और ईडी की यह ''जिद'' 'जज, जूरी और जल्लाद' की भूमिका निभाने के समान है। सूत्रों ने कहा कि जांच एजेंसी फिलहाल केजरीवाल की ओर से बुधवार को जांच अधिकारी को भेजे गये पांच पत्रों के जवाब की समीक्षा कर रही है और समन को अवैध बताने के उनके आरोपों को खारिज कर सकती है।

भाजपा का मोहल्ला क्लिनिक को लेकर केजरीवाल पर निशाना

नईदिल्ली। दिल्ली में निजी प्रयोगशालाओं को लाभ पहुंचाने के लिए मोहल्ला क्लीनिक द्वारा ''फर्जी'' जांच का मुद्दा अब बड़ा होता दिखा दे रहा है। आरोपों को लेकर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सीबीआई से जांच कराने का आदेश दिया है। इसको लेकर भाजपा ने दिल्ली सरकार और इसके मुखिया अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की सर्दी में भी जांच की आंच से पसीने छूट रहे हैं। तथाकथित मोहल्ला क्लीनिक के अंदर इन्होंने जांच (पैथोलॉजिकल टेस्टिंग) की व्यवस्था की थी। विजिलेंस की रिपोर्ट के अनुसार वो जांचे भी अब आंच के घेरे में आ गई है। भाजपा नेता ने दावा किया कि रिपोर्ट्स के अनुसार 1 दिन में 500 से अधिक जांचें दिखाई गई, जबकि मोहल्ला क्लीनिक का औपचारिक समय सुबह 9 बजे से 1 बजे तक है। अर्थात 240 मिनट में इन्होंने 533 मरीज देख लिए।

कांग्रेस पार्टी में शामिल हुईं तेलंगाना पार्टी की नेता शर्मिला

नईदिल्ली। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी की बेटी और युवजन श्रमिक रायथू तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) की संस्थापक वाई. एस. शर्मिला बृहस्पतिवार को यहां कांग्रेस में शामिल हो गईं। शर्मिला ने अपनी वाईएसआर तेलंगाना कांग्रेस पार्टी के कांग्रेस में विलय की भी घोषणा की और कहा कि उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी वह उसे निभाएंगी। शर्मिला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुईं। कांग्रेस की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह देश की सबसे बड़ी धर्मनिरपेक्ष पार्टी है क्योंकि यह अडिग तरीके से सभी समुदायों की सेवा करती है और सभी वर्गों के लोगों को एकजुट करती है। शर्मिला ने मंगलवार को कहा था कि वह और पार्टी के अन्य नेता कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और राहुल गांधी सहित शीर्ष नेतृत्व सेदिल्ली में मिलेंगे तथा एक ''महत्वपूर्ण'' घोषणा करेंगे।

सीएम नीतीश को इंडि गठबंधन का संयोजक बनाने की संभावना को देखते हुए

जदयू ने खोला मोर्चा, कहा- संयोजक नहीं प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनाओ

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन में संयोजक बनाए जाने को लेकर सियासत गर्मायी हुई है। इस बीच नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने प्रेशर पॉलिटिक्स की शुरुआत कर दी है और दो टूक अंदाज में कहा है कि केवल संयोजक पद मंजूर नहीं। उसने नीतीश को विपक्ष का साझा पीएम उम्मीदवार बनाने की मांग कर दी है। मंत्री मदन सहनी और रत्नेश सदा ने कहा है कि बिहार में जो काम हुआ उसका असर बिहार ही नहीं दूसरे राज्य में भी दिख रहा है।

मंत्री मदन सहनी ने कहा कि अगर नीतीश कुमार को सबसे अनुभवी हैं तो संयोजक ही क्यों उन्हें प्रधानमंत्री का चेहरा बनाया जाए। मदन सहनी ने कहा कि नीतीश कुमार संयोजक का काम तो बिना पद के ही पहले कर चुके हैं। इंडिया गठबंधन के सूत्रधार नीतीश कुमार ही हैं और उन्होंने ही तमाम दलों को संयोजित करने का काम किया है। वहीं बीते 19 दिसंबर को दिल्ली में हुई इंडी गठबंधन की बैठक में ममता बनर्जी और केजरीवाल द्वारा प्रधानमंत्री उम्मीदवार के तौर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रस्तावित करने पर मंत्री ने कहा कि सबकी अपनी-अपनी राय है। लेकिन गठबंधन में इसपर सामूहिक रूप से निर्णय लिया जायेगा। लेकिन सभी दल कहते हैं कि नीतीश कुमार सबसे अनुभवी हैं तो उन्हें संयोजक क्यों पीएम का चेहरा बनाया जाए।

वहीं, बिहार के एक और मंत्री रत्नेश सदा ने भी दो टूक अंदाज में कहा कि केवल संयोजक पद मंजूर नहीं। इसके साथ ही जदयू ने एनसीपी नेता जितेन्द्र चाव्हाण द्वारा भगवान श्रीराम पर किए गये विवादित बयान का कड़ा प्रतिकार किया है और नसीहत देते हुए कहा है कि लोगों को धर्म के खिलाफ गलतबयानी नहीं करनी चाहिए। जदयू किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं बोलती है। ऐसे बयानों से लोगों को बचना चाहिए।

बता दें कि बिहार की सियासत में एक बार फिर से नीतीश कुमार को इंडी गठबंधन का संयोजक बनाने की चर्चा तेज हो गई है। कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार की राहुल गांधी और खड़गे से फोन पर बात हुई है और जल्द ही इंडी गठबंधन के नेताओं की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक आयोजित होगी। संभावना जताई जा रही है कि इस बैठक में नीतीश कुमार को संयोजक बनाने के प्रस्ताव पास हो सकता है।

नीतीश कुमार को कौन पूछने वाला है, उन्हें झुनझुना थमा दिया गया : सुशील मोदी

पटना। विपक्षी इंडिया ब्लॉक के समन्वयक के रूप में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भूमिका तय नहीं हो सकी है। हालांकि, दावा किया जा रहा है कि उनके तेवर को लेकर हुए उन्हें संयोजक बनाने पर फैसला हो सकता है। हालांकि, इसको लेकर बुधवार को गठबंधन नेताओं की निर्धारित बैठक स्थगित कर दी गई है। बैठक में लोकसभा चुनाव से पहले गठबंधन में नीतीश कुमार की भूमिका को अंतिम रूप देने की उम्मीद थी। इसी को लेकर भाजपा की ओर से नीतीश कुमार पर तंज कसा गया है। भाजपा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार ब्लैकमेल करके संयोजक बनने जा रहे हैं। उनको उम्मीद थी की वे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनेंगे। इसलिए वे एनडीए से अलग हुए कि इंडिया उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाएगा। लेकिन उन्हें झुनझुना थमा दिया गया। उन्होंने कहा कि संयोजक का काम मुंशी का काम है, फोन करके सूचना देना और मीटिंग बुलाना। नीतीश कुमार को कौन पूछने वाला है? वे 44 विधायक के नेता हैं ममता बनर्जी के 215 विधायक हैं, वे बंगाल में सीपीएम और ममता बनर्जी में समझौता करा सकते हैं? इस बीच, बीजेपी ने बैठक में देरी का मजाक उड़ाया है और विपक्षी दलों पर नीतीश कुमार से परहेज करने का आरोप लगाया है। बीजेपी नेता संजय मयूख ने कहा कि ढ्ढ.ह्व.ष्ठ.ढ्ढ ब्लॉक के नेता नीतीश कुमार को मृगतृष्णा दिखा रहे हैं और कोई भी उन्हें गठबंधन के नेता के रूप में नहीं देखना चाहता। उन्होंने यह भी दावा किया कि बिहार में नीतीश कुमार की लोकप्रियता खत्म हो गई है और राज्य की राजनीति में उनका कोई भविष्य नहीं है। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव ने इंडिया ब्लॉक के संयोजक के रूप में नीतीश कुमार के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार एक वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं और अगर वह विपक्षी गठबंधन के समन्वयक बनते हैं तो यह बिहार के लिए बहुत अच्छा होगा। उन्होंने यह भी कहा कि गठबंधन सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे का मुद्दा बिना किसी समस्या के सुलझा लिया जाएगा। आपको बता दें कि पटना में आज दोनों नेताओं की बैठक भी हुई है।

कांग्रेस ने राहुल की यात्रा का नाम बदला अब होगा भारत जोड़ो न्याय यात्रा

नईदिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की सफलता और लोगों से मिले प्यार को देखते हुए कांग्रेस जल्द एक और यात्रा निकालने की तैयारी में है। इस बार राहुल गांधी अपनी यात्रा हिंसाग्रस्त मणिपुर से शुरू करने वाले हैं। कांग्रेस ने इस यात्रा का नाम बदल दिया है। राहुल गांधी की यात्रा को अब भारत जोड़ो न्याय यात्रा किया गया है। पहले इस यात्रा को कांग्रेस ने भारत न्याय यात्रा नाम दिया था।

कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में पार्टी महासचिवों, राज्य प्रभारियों, राज्य इकाई प्रमुखों और कांग्रेस विधायक दल के नेताओं की बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने राहुल गांधी की यात्रा के नाम बदलने की घोषणा की।

राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी से शुरू होगी। जो 67 दिनों तक चलेगी। यात्रा मणिपुर से मुंबई तक चलेगी।

'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' अरुणाचल प्रदेश सहित 15 राज्यों से होकर गुजरेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया, 6,713 किलोमीटर से अधिक की यात्रा बसों के जरिये और पैदल तय की जाएगी। इसमें 110 जिले, लगभग 100 लोकसभा सीटें और 337 विधानसभा क्षेत्र शामिल होंगे।

जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं को इस यात्रा में भाग लेने के लिए आमंत्रित कर रही है और बताया कि इसके लिए निमंत्रण भेजे जा रहे हैं। रमेश ने दावा किया कि 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' राजनीति के लिए उतनी ही परिवर्तनकारी साबित होगी जितनी कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा हुई थी।

कच्चे तेल की कीमतें गिर रही हैं लेकिन जनता को कोई राहत नहीं : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम करने में विफल रहने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और दावा किया कि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि 19 महीनों में कच्चे तेल की कीमतों में 31% की गिरावट आई है। उन्होंने केंद्र में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर अनियंत्रित मुनाफाखोरी की अनुमति देने का आरोप लगाया।

एक्स पर खरगे ने लिखा कि मोदी सरकार की अनियंत्रित मुनाफाखोरी के कारण कच्चे तेल की गिरती कीमतें जनता के लिए राहत में तब्दील नहीं हो रही हैं। मंत्री खुद मानते हैं कि कीमतें कम करने के लिए तेल कंपनियों से कोई चर्चा नहीं हुई है. तेल कंपनियां प्रति लीटर पेट्रोल पर जनता से 8 से 10 रुपये का मुनाफा कमा रही हैं और जनता की कीमत पर डीजल पर 3 से 4 रुपये का मुनाफा कमा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि सार्वजनिक बचत 50 वर्षों में सबसे निचले स्तर पर है... राष्ट्र निराश है, झूठे वादों और खोखले विज्ञापनों के माध्यम से भाजपा द्वारा किए गए अच्छे दिन का वादा कर रहा है।

दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपये और डीजल की कीमत 89.62 रुपये है। मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में, ईंधन की कीमतें ?100 के आंकड़े को पार कर गई हैं। भारत में कच्चे तेल की मौजूदा वैश्विक कीमत गुरुवार को 1.93त्न की गिरावट के साथ 6,016 प्रति बैरल थी। एचटी ने टिप्पणी के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय से संपर्क किया लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत ने द. अफ्रीका को दूसरे टेस्ट में 7 विकेट से हराया

केपटाउन। भारतीय क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 7 विकेट से जीत दर्ज की है। खेल के दूसरे दिन गुरुवार को भारत ने दूसरा टेस्ट अपने नाम किया और इस जीत के साथ दो टेस्ट मैच की सीरीज को 1-1 से बराबर किया। मेजबान टीम द्वारा 79 रनों के मिले आसान लक्ष्य को भारत ने 12 ओवर में अपने 3 विकेट गंवाकर हासिल किया। कप्तान रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर ने क्रमश: 17 और 4 रन बनाकर नाबाद रहे। सलामी बल्लेबाज जायसवाल ने सर्वाधिक 28 रनों का योगदान दिया तो वहीं कोहली 12 रन बनाकर आउट हुए। गिल ने बल्ले से 10 रनों का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से दूसरी पारी में रबाडा, यानसेन और बर्गर ने एक-एक विकेट लिए। भारतीय क्रिकेट टीम की इस जीत में तेज गेंदबाज सिराज और बुमराह ने कमाल का प्रदर्शन किया। मोहम्मद सिराज ने जहां पहली पारी में 9 ओवर में 15 रन देकर 6 विकेट झटके। तो वहीं बुमराह ने 13.5 ओवर में 6 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। सिराज की घातक गेंदबाजी के चलते दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 55 रनों पर ढेर हो गई थी। इस पारी में बुमराह और मुकेश कुमार को 2-2 विकेट मिले थे। वहीं भारत ने पहली पारी में कोहली के 46 रनों और कप्तान रोहित शर्मा की 39 रनों की पारी की मदद से 153 रन बनाए थे। इसमें गिल के 36 रनों का भी योगदान रहा। दक्षिण अफ्रीका की ओर से रबाडा, एनगिडी और बर्गर ने 3-3 विकेट लिए थे। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने आई साउथ अफ्रीका की टीम 176 रनों पर ढेर हो गई। हालांकि मार्करम ने 106 रनों की शतकीय पारी खेली। लेकिन शेष बल्लेबाज भारतीय गेंदबाज बुमराह के आगे नहीं टिक सके। मुकेश कुमार ने 2 विकेट झटके। जबकि सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने एक-एक विकेट लिया।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स ने लगाई 491 अंकों की छलांग, निफ्टी 21,600 के पार

नईदिल्ली। ग्लोबल मार्केट की कमजोरी को मात देते हुए गुरुवार को देसी शेयर बाजार में शानदार तेजी देखी गई। इसी के साथ बाजार में लगातार दो दिन से जारी गिरावट पर ब्रेक लग गया। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 491 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 141 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 1.5 फीसदी और बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 1 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 490.97 अंक यानी 0.69 फीसदी की बढ़त के साथ 71,847.57 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 71,546.60 और 71,954.79 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 141.25 अंक यानी 0.66 फीसदी की मजबूती दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 21,658.60 अंक पर बंद हुआ।

जुनिपर ग्रीन एनजी गुजरात में 8,000 करोड़ इन्वेस्ट करेगी

नईदिल्ली। जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने 8,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक गीगावॉट की पवन तथा सौर परियोजनाएं विकसित करने के लिए गुजरात सरकार के साथ एक समझौता किया है। कंपनी की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक बयान के अनुसार, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन 2024 के लिए निवेश संवर्धन गतिविधि के दौरान गुजरात सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू 8,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ राज्य में एक गीगावॉट की पवन तथा सौर परियोजनाएं स्थापित करने के लिए एक महत्वाकांक्षी सहयोग का प्रतीक है। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में तीन जनवरी 2024 को एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

बंधन बैंक का तीसरी तिमाही में नेट प्रॉफिट 18.6 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली। बंधन बैंक कस चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में शुद्ध लाभ 18.6 प्रतिशत बढ़कर 1,15,964 करोड़ रुपये रहा। कोलकाता स्थित बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि एक साल पहले समान अवधि में यह आंकड़ा 97,787 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही के अंत तक बैंक का कुल जमा 1,17,422 करोड़ रुपये रहा। यह सालाना आधार पर 14.8 प्रतिशत प्रतिशत की वृद्धि है। बैंक के अनुसार, सीएएसए (चालू खाता बचत खाता) सहित खुदरा जमा 19 प्रतिशत बढ़कर 84,563 करोड़ रुपये हो गया, जबकि थोक जमा 5.2 प्रतिशत बढ़कर 32,859 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही के अंत में बैंक का कुल संग्रह दक्षता अनुपात 98 प्रतिशत रहा।

इंडिगो ने फ्यूल सरचार्ज हटाने का किया ऐलान

नईदिल्ली। एयरलाइन इंडिगो ने विमान ईंधन की कीमतों में कमी के बाद बृहस्पतिवार से ईंधन शुल्क वसूलना बंद करने की घोषणा की है। एयरलाइन ने एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) की कीमतों में उछाल के बाद अक्टूबर 2023 की शुरुआत से ईंधन शुल्क वसूलना शुरू किया था। गुरुवार से इसे हटा दिया गया। विमानन कंपनी के अनुसार, हाल ही में एटीएफ की कीमतों में कमी के कारण ईंधन शुल्क वापस ले लिया गया है। इंडिगो की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, '' एटीएफ की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रहता है..इसलिए हम कीमतों या बाजार स्थितियों में किसी भी बदलाव से निपटने के लिए अपने किराए और उसके घटकों को समायोजित करना जारी रखेंगे।'' ईंधन शुल्क एयरलाइन की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लागू था।

विकसित देश बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं प्रवासी भारतीय

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों पूरी दुनिया में प्रवासी भारतीयों से संबंधित दो खास बातें रेखांकित हो रही हैं। पहला, जहां प्रवासी भारतीय अर्थव्यवस्था को बल दे रहे हैं, वहीं भारत भी अपने प्रवासियों के हितों की रक्षा का प्रभावी हिमायती बना हुआ है। दूसरा, 28 दिसंबर को भारत ने कतर में जिन आठ नौसेना के पूर्व भारतीय अधिकारियों की फांसी की सजा को घटवाने में कूटनीतिक भूमिका निभाई है, उनमें एक पूर्णेंदु तिवारी भी हैं, जिन्हें 2019 में प्रवासी भारतीय सम्मान से नवाजा गया था।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में विश्व बैंक द्वारा जारी 'माइग्रेशन ऐंड डेवलपमेंट ब्रीफ' रिपोर्ट 2023 के मुताबिक, बीते वर्ष प्रवासी भारतीयों ने करीब 125 अरब डॉलर की धनराशि (रेमिटेंस) स्वदेश भेजी। रेमिटेंस प्राप्त करने में भारत ने मेक्सिको, चीन और फिलिपींस को बहुत पीछे छोड़ दिया है। शीर्ष पांच रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देशों में भारत के अलावा मेक्सिको (67 अरब डॉलर) चीन (50 अरब डॉलर) फिलीपींस (40 अरब डॉलर) और मिस्त्र (24 अरब डॉलर) शामिल हैं। रिपोर्ट में यह बात भी सामने आई है कि पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में उच्च कौशल वाले लोगों की संख्या ज्यादा है, जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं, जहां से वे अधिक धन भेज रहे हैं।

गौरतलब है कि जहां वर्ष 2022 में प्रवासी भारतीयों ने 100 अरब डॉलर की धनराशि स्वदेश भेजी, वहीं 2021 में 87 अरब डॉलर की राशि भेजी थी। जब वर्ष 2020 में कोविड-19 के कारण भारतीय

अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी, तब भी आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों द्वारा भेजी गई 83 अरब डॉलर की धनराशि से यहां की अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। यह छोटी बात नहीं है कि प्रवासियों से धन प्राप्त करने वाले दुनिया के विभिन्न देशों की सूची में भारत वर्ष 2008 से अब तक पहले स्थान पर बना हुआ है। अतीत में जब भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट आई, प्रवासियों ने मुक्त हस्त से विदेशी मुद्रा कोष को बढ़ाने में सहयोग दिया है। बीते वर्ष भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 को अभूतपूर्व सफलता दिलाने में भी प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका रही है। विभिन्न देशों में संकटों के बीच फंसे भारतीय प्रवासियों को बचाने और भारत वापसी के लिए महत्वपूर्ण अभियान चलाए हैं। सरकार के मुताबिक, विदेशों में फंसे भारतीयों की मदद के लिए सरकार की ओर से 2014 से दिसंबर, 2023 तक 626 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिससे 3.42 लाख भारतीयों की मदद की गई। वर्ष 2023 में इस्राइल और हमास के बीच जारी खूनी संघर्ष में इस्राइल में फंसे भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए भारत ने 'ऑपरेशन अजय' चलाया है। जब वर्ष 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन में भारतीय समुदाय सीधे खतरे में आ गया था, तब ऑपरेशन गंगा के तहत बड़ी संख्या में भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाया गया था।

लेकिन अभी भारत द्वारा अपने प्रवासियों के दुख-दर्द कम करने में और अधिक सहयोग किए जाने की आवश्यकता है। खाड़ी देशों में भारतीय कामगार बड़ी संख्या में हैं, पर ऐसे भारतीयों की संख्या बढ़ती जा रही है, जो गलत लोगों या संस्थाओं के हाथ लगकर दुर्दशा के शिकार हो गए हैं। हाल ही में केंद्र की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 33 हजार से अधिक भारतीय कामगार खाड़ी के देशों में गुलामों की तरह रहने को मजबूर हैं। विदेश मंत्रालय को मार्च, 2021 से वर्ष 2023 के बीच अरब देशों से छह शिकायतें मिली हैं। यद्यपि भारत सरकार ने इन शिकायतों पर संबंधित देशों की सरकारों से दखल देने को कहा है, पर इस दिशा में केंद्र की और अधिक सक्रियता जरूरी है। उम्मीद करें कि नए वर्ष 2024 में प्रवासियों के साथ स्नेह व सहभागिता के नए अध्याय लिखे जा सकेंगे।

जहाँ भी अनियमितताओं के आरोप लगे हैं, उन सबकी जाँच होगी: उपमुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पीएससी घोटाले की जाँच सीबीआई को सौंपे जाने के प्रदेश सरकार के आदेश के संबंध में कहा है कि जहाँ पर भी इस तरह की अनियमितताओं के आरोप लगे हैं, उन सबकी जाँच होगी। लेकिन यह तय है कि जहाँ-जहाँ इस तरह के आरोप लगे हैं, युवाओं में असंतोष है, नौजवानों के साथ अन्याय हुआ है, उन सभी बिंदुओं को जाँच के दायरे में लिया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कानून का राज कायम किया जाएगा। अपराधों पर नियंत्रण के लिए भाजपा सरकार पूरी ताकत से काम करेगी। इसके लिए पुलिसिंग को भी दुरुस्त किया जाएगा।

अंतरराज्यीय अपराधियों व तस्कर गिरोह पर अंकुश लगाने , सूखा नशा और उसके काले कारोबार के लिए प्रदेश सरकार एक अलग सेल बनाकर काम करेगी जो इस काम को पूरी दक्षता से देखेगा। सीमावर्ती इलाकों से भी इस तरह की तस्करी होती है। प्रदेश सरकार की कोशिश होगी कि इस कारोबार में लगी पूरी चेन को ही नेस्त-ओ-नाबूद करें। सख्ती से कार्रवाई की जाए, जड़-मूल से ही इसे खत्म कर दिया जाए।

नशा उन्मूलन के लिए एक अलग सेल बनाया जाएगा, पुलिस और ज्यादा ताक़त से काम करेगी

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि अपराध और नक्सली हिंसा पर लगाम लगाने के लिए अधिकारियों से कहा गया है कि विभिन्न अस्पतालों में लैंडमैन विस्फोट से पीड़ित जवानों से मिलकर जो दर्द देखा है, वह दर्द शारीरिक के साथ-साथ परिवार के लिए भी बड़ा दर्द है। इस दर्द का हिसाब तो लेना होगा। यूँ ही नहीं छोड़ जा सकता इसे। दर्द का हिसाब लिया जाएगा। नशा है, जिसके कारण अपराध होते हैं। पुलिस और ज्यादा ताकत से काम करेगी।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार पुलिस के आधुनिकीकरण और सुरक्षा के लिए प्रयासों को गति देगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुरक्षा और आधुनिकीकरण के लिहाज से काम करेंगे।

‘दूरदर्शन से चर्चा में’ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा

सुशासन के लिए मोदी की गारंटी पर कर रहे काम : साय

- युवाओं के लिए अवसर बढ़ाने ब्लाकवार आईटीआई आरंभ करने और नये ट्रेड आरंभ करने करेंगे काम
- खेलों को बढ़ाने करेंगे काम, पहाड़ी कोरवा अच्छी तीरंदाजी करते हैं वहां आर्चरी एकेडमी बनाने करेंगे काम
- वर्ष 2047 तक 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के मोदी जी के विजन में योगदान देने छत्तीसगढ़ में औद्योगिक कृषि परिदृश्य को करेंगे बेहतर

रायपुर। प्रादेशिक समाचार एकांश दूरदर्शन केंद्र रायपुर के कार्यक्रम चर्चा में के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के संबंध में चर्चा की। साक्षात्कार के दौरान सुशासन पर प्रदेश में हो रहे काम के संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री का दायित्व संभालने के दूसरे ही दिन पहले कैबिनेट में 18 लाख लोगों के लिए आवास बनाने का निर्णय लिया। 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के दिन अटल जी की जयंती के अवसर पर 12 लाख से अधिक किसानों को दो साल का बोनस दिया। आदिवासियों के लिए प्राथमिकताएं भी मुख्यमंत्री ने बताईं। उन्होंने कहा कि पहली बार प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आदिम जाति कल्याण मंत्रालय का गठन किया। इस मंत्रालय को पर्याप्त बजट दिया ताकि आदिवासी क्षेत्रों का बेहतर विकास हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी की गारंटी के अंतर्गत महतारी वंदन योजना हम लाये हैं एक साल में हम इसके अंतर्गत 12 हजार रुपए देंगे। इसके लिए तीन दिनों के विधानसभा सत्र में अनुपूरक बजट में धन की व्यवस्था कर ली गई है। जल्द ही यह योजना लागू हो जाएगी। सार्वजनिक जीवन में कैसे आये। इस प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने बताया कि आजादी के बाद सीपी बरार राज्य का गठन हुआ था जिसकी राजधानी नागपुर में थी। इस समय हमारे दादा मनोनीत विधायक थे। बड़े पिता जी भी तपकरा से विधायक रहे। परिवार के एक सदस्य श्री नरहरि प्रसाद साय, श्री मोरारजी देसाई सरकार में केंद्रीय संचार राज्य मंत्री रहे। दस साल के थे तो पिता जी का साया उठ गया। उस समय नहीं सोचा था कि सार्वजनिक जीवन में आयेंगे। यह जरूर सोचा था कि अच्छे किसान बनेंगे। स्वर्गीय श्री दिलीप सिंह जूदेव जी से काफी मार्गदर्शन लिया। वे आदर्श थे। उन्हें 25 बरसों में कभी नाराज होते नहीं देखा, मैंने उनसे विनम्रता का गुण सीखा है। बालकृष्ण शर्मा भी मेरे आदर्श रहे, लोग उन्हें देवकी महाराज के नाम से जानते थे। वे स्वर्गीय श्री जूदेव जी के गुरु रहे। युवाओं के लिए आप क्या करने जा रहे हैं। इस प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश युवाओं का देश है। जब मैं सांसद था तब पहली बार भारत सरकार में कौशल विकास मंत्रालय का गठन हुआ और युवाओं के कौशल विकास का काम शुरू हुआ ताकि युवाओं के लिए नये अवसर पैदा हो सके। ब्लाकवार आईटीआई को मजबूत करेंगे और नये ट्रेड शुरू करेंगे। मोदी की गारंटी के अंतर्गत हमने कहा है कि एक लाख पदों पर भर्ती करेंगे। पीएससी 2021 की परीक्षा की जांच का निर्णय लिया गया है।

बीते वर्षों में लाई गई योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। यदि ये योजनाएं छत्तीसगढ़ के हित में हों तो इन्हें बढ़ाएंगे। जशपुर को सुंदर बनाने के लिए क्या योजना है इस पर मुख्यमंत्री ने बताया कि यहां पर पर्यटन के लिए अपार संभावनाएं हैं। यहां ऐसे जंगल है कि भीतर सूरज की रौशनी नहीं पहुंच पाती, बहुत अच्छे जलप्रपात है। इसके लिए हमने कलेक्टर जशपुर को निर्देशित किया है कि जशपुर में पर्यटन संबंधित अन्य गतिविधियों के विकास के लिए रोडमैप तैयार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का निर्माण पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने यहां के सर्वांगीण विकास के लिए किया है। आज ही हमने राज्य योजना आयोग की बैठक ली है। इसमें हमने प्रदेश के संतुलित विकास के लिए योजनाएं बनाने का निर्णय लिया है। आदिवासी क्षेत्रों में हम आईटीआई बढ़ाएंगे। यहां मत्स्यपालन बढ़ाएंगे। वनोपज संवर्धन के अवसर बढ़ाएंगे, इस पर आज विस्तार से चर्चा योजना आयोग की बैठक में हुई है।

हमारी मंत्रिमंडल की टीम बहुत अच्छी बनी है और इस टीम के माध्यम से हम प्रदेश के विकास को आगे बढ़ाएंगे। खेलकूद को लेकर अपनी सोच बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं हैं। भारत सरकार की खेलो इंडिया योजना इसके लिए बहुत महत्वपूर्ण कार्य करती है। हमारे यहां बहुत अच्छा स्टेडियम है। कल सौरव गांगुली आये थे, उन्होंने भी इसकी बहुत तारीफ की। पहाड़ी कोरवा तीरंदाजी बहुत अच्छा करते हैं। यहां आर्चरी एकेडमी बनाने की दिशा में काम करेंगे। उद्योग जगत के बारे में अपनी सोच बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे यहां खनिज संसाधन बहुत हैं।

भारत सरकार ने दी छत्तीसगढ़ में 7 नए खेलो इंडिया सेंटर्स की स्वीकृति

रायपुर। आज केंद्रीय खेल मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने 7 नए खेलो इंडिया सेंटर्स की स्वीकृति दी। खेल मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए केंद्रीय खेल मंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। खेल सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता ने इस अवसर पर हर्ष व्यक्त किया। खेल संचालक श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने बताया कि खेल संचालनालय के प्रस्ताव पर पूर्व में 24 जिलों में विभिन्न खेल विधाओं के 24 खेलो इंडिया सेंटर्स की स्वीकृति प्राप्त हुई थी, जिसका क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला कोंडागांव में तीरंदाजी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में फुटबॉल, गौरेला पेंड्रा मरवाही में कबड्डी, सक्ती में फुटबॉल, कबीरधाम में कबड्डी, कोरिया में बैडमिंटन और मनेंद्रगढ़ भरतपुर-चिरमिरी जिले में कबड्डी खेल की खेलो इंडिया सेंटर्स की स्वीकृति भारत सरकार से प्राप्त हुई है।

युवा कांग्रेस ने हसदेव वनक्षेत्र में जंगलों की कटाई के विरोध में चलाया हस्ताक्षर अभियान, कटाई पर तत्काल रोक की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव अभिषेक कसार के नेतृत्व में हसदेव वनक्षेत्र में जंगलों की अंधाधुंध कटाई के विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस द्वारा तेलीबांधा तालाब रायपुर में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया. इस दौरान मौके पर मौजूद रायपुर वासियों ने हस्ताक्षर अभियान में भाग लिया. छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के सहप्रभारी संगठन एवं प्रदेश सचिव अभिषेक कसार ने कहा कि, भारतीय जनता पार्टी की छत्तीसगढ़ में सरकार बनते साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विष्णुदेव साय के संरक्षण में अडानी द्वारा हसदेव के जंगलों की कटाई कर रहें हैं. हज़ारों पेड़ काटे जा चुके हैं. हसदेव को बचाने के लिए आंदोलन कर रहे आदिवासियों को डरा धमका कर विष्णुदेव साय की पुलिस जेल में बंद कर रही है. अभिषेक कसार ने कहा कि, युवा कांग्रेस मांग करती है हसदेव के जंगलों की कटाई पर तत्काल रोक लगायी जाएं अन्यथा इसके विरोध में उग्र आंदोलन किया जायेगा. आज तेलीबांधा तालाब में हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम में प्रदेश सचिव जितेन्द्र बारले, प्रदेश सचिव फ़हीम शेख, प्रदेश सचिव मनहरण वर्मा, ज़िला उपाध्यक्ष प्रियंका उपाध्याय, उत्तर विधानसभा कार्यकारी अध्यक्ष नवाज़ खान, दक्षिण विधानसभा महासचिव राज़िक रज़ा, उत्तर विधानसभा महासचिव अब्दुल मलिक ख़ान, ब्लॉक अध्यक्ष भूपेन्द्र जलक्षत्री, सृजन तिवारी, कुशाग्र सोलंकी मौजूद थे.

छॉलीवुड के इतिहास में पहली बार हो रहा हायर कैमरे से शूटिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अभी एक ही चीज की चर्चा ज्यादा हो रही है और वह हैं आखिर ये टेबलेट है क्या। कई लोगों का कहना है कि यह नशे की गोली है तो कई लोग कहते हैं यह बीमारी दूर करने की दवा है, वहीं कुछ और लोगों का कहना है कि यह प्रेम जाल में फंसाने की गोली है। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है लेखक व निर्देशक गंगा सागर पंडा की जवानी जिंदाबाद फिल्म में एक गाना अभी बहुत चर्चा में है जिसके बोल एक ठन टेबलेट है। इस फिल्म में आपको दोस्तों की कहानी नजर आएगी कि जिसमें यह बताया जाएगा कि मिडिल क्लास लड़का अपनी जीद पूरी करने के लिए गरीब माता-पिता से कैसे पैसे मांगता है और उसे गलत चीजों में खर्च करता है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

साय सरकार बताएं कि बंदूकों के साए में हो रही हसदेव जंगल की कटाई कब बंद होगी?

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की तथाकथित डबल इंजन की सरकार बनते ही हसदेव अरण्य क्षेत्र में जंगल की कटाई अचानक तेज गति से शुरू हो गई है। आदिवासी मुख्यमंत्री और आदिवासी अधिकारों का ढोंग करने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का असली चेहरा स्पष्टतौर पर सामने आ चुका है। छत्तीसगढ़ में जब भारतीय जनता पार्टी विपक्ष में थी तब ये पूर्ववर्ती सरकार पर तथ्यहीन आरोप लगाया करते थे जबकि असलियत यह है कि संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत कोल खनन विशुद्ध रूप से केंद्र सूची का विषय है, कोल ब्लाक आबंटन के लिए आवेदन की प्रक्रिया से लेकर अंतिम आदेश तक केंद्र की सरकार तय करती है। 2014 से 2018 के बीच जब केंद्र और राज्य दोनों जगह बीजेपी की सरकार थी तब भी आदिवासियों के साथ सबसे ज्यादा अत्याचार हुए। नंदराज पर्वत अडानी को बेचा गया जिसके लिए ग्राम सभा की तथाकथित एनओसी भी कूट रचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी तरीके से दी गई थी। केवल मोदी के मित्र के मुनाफे के लिए छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान, आत्मसम्मान और जन अधिकार को कुचलने का कुत्सित प्रयास निंदनीय है।

भाजपा सरकार को माघी पुन्नी मेला आयोजन करने में पीड़ा क्यों होती है?

रायपुर। भाजपा सरकार के द्वारा राजीम में होने वाली माघी पुन्नी मेला के बजाये राजिम कुंभ की तैयारी करने के निर्देश पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार को छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा तीज त्यौहार मेला मड़ई का नाम नहीं बदलना चाहिए बल्कि कांग्रेस सरकार के समय छत्तीसगढ़ की संस्कृति को देश दुनिया में पहचान देने जो काम किया गया है उसे आगे बढ़ना चाहिए और छत्तीसगढ़ की पौने तीन करोड़ जनता की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। जिस प्रकार से पुन्नी माघी मेला के आयोजन के स्थान पर राजिम कुंभ मेला की तैयारी के निर्देश दिया गया है यह उचित नहीं है। आखिर भाजपा को छत्तीसगढ़ की संस्कृति परंपरा तीज त्यौहार बोली भाषा से इतनी नफरत क्यों है? प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में जब भी भाजपा की सरकार बनी है तब छत्तीसगढ़ के पारंपरिक आयोजनों का नाम परिवर्तन किया गया। 2006 में भी भाजपा की सरकार ने राजिम त्रिवेणी संगम में 100 वर्ष से अधिक समय से हो रहे पुन्नी माघी मेला का नाम बदल कर जो गलती किया था उसे कांग्रेस की सरकार ने मेला का मूल नाम और मूल स्वरूप देकर सुधारा था।

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने किया निर्माणाधीन स्मार्ट रीडिंग रूम का निरीक्षण

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने मोतीबाग के समीप निर्माणाधीन स्मार्ट रीडिंग रूम का निरीक्षण भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि अध्यनरत युवाओं को उनकी जरूरत की पुस्तकें, इंटरनेट कनेक्टिविटी और उत्कृष्ट वातावरण प्राप्त हो इसका ध्यान अवश्य रखें। डॉ. सिंह ने नए कलेक्टर के रूप में पदभार ग्रहण किया एवं आज ही नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा के साथ रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा मोतीबाग के समीप 6 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित किए जा रहे स्मार्ट रीडिंग रूम का निरीक्षण भ्रमण किया। कलेक्टर डॉ. सिंह ने निर्देशित किया है कि प्रतियोगी परीक्षाओं के उपयोगी जरूरी पुस्तकें, अध्यनरत इस 600 सीटर रीडिंग रूम-लाईब्रेरी में साथ ही किया जाए। उन्होंने कहा कि ऊपरी तल का उपयोग भी अध्ययन हेतु प्राथमिकता से किया जाए, जिससे अधिकांश विद्यार्थियों को इस रीडिंग रूम-लाइब्रेरी का लाभ मिले। डॉ गौरव सिंह ने निर्माण जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। लाइब्रेरी का संचालन नालंदा परिसर की तर्ज पर समिति द्वारा किया जाएगा।

भाजपा प्रदेश प्रभारी माथुर पहुंचे रायपुर

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर आज शाम 5 बजे राजधानी रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद विमानतल पहुंचे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री एवं प्रदेश के लोक निर्माण विभाग मंत्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, मंत्री ओपी चौधरी मंत्री ,टंकराम वर्मा, विधायक मोतीलाल साहू, राजीव अग्रवाल प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल,केदार गुप्ता, श्रीचंद सुंदरानी, अमित साहू, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना, किशोर महानंद अंजय शुक्ला,सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने उपस्थित होकर भाजपा प्रदेश प्रभारी श्री माथुर का स्वागत किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जब हमने प्रधानमंत्री आवास के लिए आंदोलन किया था तभी हमने कहा था की प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही फैसला लेंगे। बीजेपी जन कल्याण करने वाली सरकार है। गरीबों का कल्याण करने वाली सरकार है।

बीईओ की गाड़ी ने कार को मारी ठोकर-नशे में ड्राइविंग का लगा आरोप

महासमुंद. दुर्घटना के बाद पीड़ित द्वारा बनाया गया बीईओ का वीडियो रिकॉर्ड सोशल मीडिया में वायरल हो रहा था, जिसपर जिला शिक्षा अधिकारी ने संज्ञान लेते हुए लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक से बागबाहरा के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कौशल कुमार वर्मा के इस कृत्य के खिलाफ जांच कर नियमानुसार अनुशासनात्मक आवश्यक कार्यवाही करने की अनुशंसा की है. वीडियो के मुताबिक सामने से बीईओ की अनियंत्रित गाड़ी आती देख इको स्पोर्टस चालक ने अपनी गाड़ी रोक ली. जिसके बाद भी सामने से आ रही बीईओ की कार ने उसे ठोकर मार दी. वहीं इस मामले में बीईओ केके वर्मा का कहना है कि, वीडियो में जो कुछ भी बताया जा रहा है वह सरासर गलत है. उनका कहना है कि गाड़ी का चक्का फट जाने से गाड़ी अनियंत्रित होकर गलत दिशा में चली गई. उन्होंने ये भी कहा कि ड्राइवर नशे में नहीं था. बीईओ ने आरोप लगाते हुए कहा कि, उनके और ड्राइवर के साथ मारपीट की गई है. जिससे उन्हें चोट पहुंची है. साथ ही उन्हें मानसिक रुप से प्रताड़ित किया गया है.

राज्य के सभी खेल मैदानों को सर्वसुविधायुक्त बनाया जाएगा

राज्य के युवाओं को खेल के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराया जाएगा: वर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में पूजा-अर्चना कर अपना कार्यभार संभाल लिया है। इसके पश्चात मंत्री श्री वर्मा ने खेल और राजस्व विभाग के विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली।

उन्होंने खेल प्रतिभागियों के लिए मूलभूत सुविधाओं के विकास, इसकी गतिविधियों और उपलब्ध खेल संस्थानों की जानकारी ली। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि राज्य के युवाओं को विभिन्न विधाओं के खेल के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य के सभी खेल मैदानों का समतलीकरण के साथ-साथ मैदानों को सर्वसुविधायुक्त बनाया जाएगा ताकि खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिले। ग्रामीण स्तर पर बने खेल क्लबों का पंजीयन करने के निर्देश उन्होंने दिये। इन खेल क्लबों को आवश्यकतानुसार अनुदान भी दिया जा सकेगा। खेल विभाग के बजट की जानकारी लेकर खेल गतिविधियों में तेजी लाने के यथाशीघ्र बजट प्रस्तुत करने के निर्देश भी उन्होंने दिए।

श्री वर्मा ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए राजस्व के लंबित सभी प्रकरणों को निर्धारित समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।समय सीमा में निराकृत नही करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों पर नियमानुसार कार्रवाई संस्थित की जाएगी। इस मौके पर विभागीय सचिव श्री भुवनेश यादव, विशेष सचिव श्री रमेश शर्मा, संयुक्त सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम, खेल विभाग के सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता, संचालक श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा सहित विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

खाद्य अधिकारी उचित मूल्य दुकानों का करें निरीक्षण : बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल ने आज न्यू सर्किट हाउस रायपुर में खाद्य विभाग मार्कफेण्ड, नागरिक आपूर्ति निगम एवं राज्य भण्डारण गृह निगम के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग की समीक्षा करते हुए धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। धान खरीदी केन्द्र में धान बेचने आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना होने पाए। धान का उठाव शीघ्रता से करने के निर्देश दिए हैं। मिलरों के माध्यम से उपार्जित धान का त्वरित निराकरण कर भारतीय खाद्य निगम एवं नागरिक आपूर्ति निगम में समय पर चावल जमा करने के लिए कहा गया है। उन्होंने खाद्य विभाग के अधिकारियों को कस्टम मिलिंग की व्यवस्था को शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने सभी उचित मूल्य दुकानों में प्रत्येक माह राशन का भण्डारण समय पर करने के सख्त निर्देश दिए और खाद्य अधिकारियों को नियमित दुकानों का निरीक्षण करने के लिए कहा है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.